



HB/197

भारत का उत्तराधिकार The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—कांड 3—उप-कांड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
शासकान् द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 339)

नई विल्ली, सोमवार, जून 12, 1989/ज्येष्ठ 22, 1911

No. 339] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 12, 1989/JYAISTHA 22, 1911

इस भाग में भिन्न वृक्ष संस्था वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल गौरवहस्त मंत्रालय

(प्रिव्यवहन पद्धति)

अधिकृतनामः

नई विल्ली, 12 जून, 1989

का.प्रा. 436(अ).—केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम,
1988 (1988 का 59) की धारा 41 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मोटर यानों की आवत नीचे दी गई सारणी
के स्तरम् (2) में वर्णित यानों के प्रकार के यानों के उस प्रकार के रूप
में विनिर्दिष्ट करती है जो उक्त उपधारा (4) के प्रयोजनों के लिए
उसके स्तरम् (1) की सत्यानी प्रविधि में विनिर्दिष्ट हैं:—

सारणी

मोटर यान

मोटर यान के प्रकार

(1)

(2)

1. मोटर साइकिल

मोटर साइकिल

स्कटर

मोपेड

मोटर युक्त साइकिल

(1)

(1)

2. हल्का मोटर यान

(2)

तिपक्षिण्-यात्री यात्रा

प्राटो रिक्शा

ट्रैम्पो

मोटर युक्त साइकिल रिक्शा

प्रशक्त यात्री गाड़ी

तिपक्षिए मालू बाहन

डिसिवरी बैन

चौपहिए यात्री यात्रा

मोटर कार

जीप

जीप मंजिली गाड़ी

ट्रक्सी

मक्की बैन

एस्ट्रोलेस

स्टेशन बैगन

बैन

प्रशक्त यात्री गाड़ी

चौपहिए मालू बाहन

डिसिवरी बैन

ट्रक

फोर्क लिफ्ट

(1)	(2)
उआक बैन	
चल जलपान युह	
चल शाकधार	
चल किलनिक	
३. मध्यम और भारी मोटर यान	
माली यान	
मजिनी गाड़ी, माशारण	
एक्सप्रेस बस	
मगर शहर बस	
मिनी बस	
यात्री सह माल यान	
पर्यटक कोच	
कैम्पस बैन	
कैम्पिंग ट्रूलर/हाउस ट्रैनर	
बिना ट्रैक की ट्राली कोच	
इचल ड्रेकर बग	
भाल बाहन	
पण एम्बुलेंस	
बैन	
ट्रक	
ड्रम्पर	
फोर्क लिफ्ट	
पिक अप बैन	
रिग	
अनुकरण ट्रक	
फ्रूट करेट से जाने वाला बैन	
चल बैन जलपान युह	
चल युत्कालय बैन	
चल आकधार यान	
पाह बैन	
चल किलनिक	
चल कर्मशाला	
चल दुकान यान	
टेन्कर	

४. इस घटिकना के प्रयोगन के लिए,—

- (क) "पार्श्वलेंग" गे ऐसा यान अभिषेत है जो बीचार, अनिवास, जल्दी या अव्याधि असमर्थ छाविनों के आपातकार्यालय परिवहन के लिए विनियोग न्याकित, निर्मित या उपलिखित और संचित किए गए हैं और उनके उपयोग के लिए आवश्यित है।
- (ख) "पण एम्बुलेंस" मे ऐसा "एम्बुलेंस अभिषेत है जो नीमार, अनिवास, जल्दी या अव्याधि असमर्थ पक्षीओं के आपातकार्यालय परिवहन के उपयोग के लिए आवश्यित है;
- (ग) "ग्राहो रिक्षा" मे ऐसा निपटिया मोटर यान अभिषेत है जो भाड़े या पारिवहिक पर अधिक से अधिक तीन साक्षियों को, जिनके अन्तर्में द्वाहर नहीं है, चलन करने के लिए निर्मित या अनुकूल बना दिया गया है और उपयोग में लाया गया है;
- (घ) "बैन्पर्म बैन" से ऐसा मोटर यान अभिषेत है जो आमोद-प्रमोद, बेस्ट लगाने या यात्रा के उपयोग के लिए रहने के बवाईरों की व्यवस्था करने के लिए स्पष्टिकित या निर्मित किया गया हो और जिसमें ड्राइवर की सीट में रहने के बवाईरों को सीधे जाने का मार्ग हो;
- (ङ) "कौमांग ट्रैलर" से ऐसा ट्रैलर अभिषेत है जो माल के परिवहन के उपयोग में नहीं लाया गया है और अंशतः ऐसी पार्श्व

फलों से विषय है जिन्हे ग्रन्तकरण के लिए नह दिया जा सकता है और यामीन पांडी ने लिए लैगा लगान थी। परंतु प्रयोगिनों के लिए अस्थायी रहने की वाग-मुक्तिधा की व्यवस्था करने के लिए खोला जा सकता है;

- (ज) "इम्पर" से जूली खौला बाड़ी बाला ऐसा व्यवस्थित यान अभिषेत है जो मामी के परिवहन और उसे इम्प करने या रिलाने के लिए स्पष्टिकित किया गया है;
- (झ) "हाउस ट्रैनर" से ऐसा ट्रैनर अभिषेत है जो ईम्प लगाने या ईम्प ब्रेक्स व्यवहन प्रयोगिनों के लिए अस्थायी रहने के बवाईरों के रूप में, न कि माल, मामी और वापियन यथा ऐसी ही वस्तुओं के परिवहन गा इनाई के लिए, अनिवास है और उपयोग किया जाना है;
- (ज) "प्राइम मूवर" से ऐसा मोटर यान अभिषेत है जो मूक्तवत्या अन्य यानों के बीचों के लिए स्पष्टिकित और उपयोग में लाया गया है और इम प्रशार निर्मित नहीं किया गया है कि अह ऐसा भावनकृत करे जो यान के बजान और लौंगे गए भार ने वित्र है;
- (झ) "प्रनकर्ण ट्रक" से ऐसा मोटर यान अभिषेत है जो बैन, उनोक्त अनुकरण उह, अनकरण लाइन, सहायक धूरियों के द्वारा अपनक यानों के ब्रैक्स, अनुकरण या छीबने और अस्थाय यानों की महावता प्रदान करने के लिए स्पष्टिकित या परिवर्तित और अनिवास है और उपयोग में लाया गया है;
- (ज) "बिना ट्रैक की ट्राली कोच" से ऐसा मोटर यान अभिषेत है जो खिरोपरि ट्राली के नारों से प्राप्त बिजली की ऊकिल द्वारा नीकिल है किन्तु जेन की पटभिंग पर नहीं लाया जाना है।

५. यह घटिकना जूलाई, 1989 के पहले दिन को प्रवृत्त होगी।

[फा सं० आर ई० ११०१४/८९-टीएरी]

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 12th June, 1989

S.O. 436 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 41 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby specifies the types of mentioned in column (2) of the Table below as the type In respect of motor vehicles specified in the corresponding entry in column (1) thereof for the purposes of the said sub-section (4):—

TABLE

Motor Vehicles	Type of motor vehicles	(2)
(1)		
1. Motor cycle	Motor cycle	
	Scooter	
	Moped	
	Motorised Cycle	
2. Light Motor Vehicle	Three-wheelers -Passenger vehicle	
	Auto rickshaw	
	Tempo	
	Motorised cycle rickshaw	
	Invalid Carriage	
	Three-wheeler-goods carriage	

1	2	
	Delivery Van	
	Four-wheeler-Passenger vehicle	(d) "Campers' van" means a motor vehicle designed or constructed to provide living quarters for recreational, camping or travel use with direct walk through access to the living quarters from the driver's seat;
	Motor car	(e) "Camping Trailer" means a trailer, not used for transport of goods, constructed with partial side walls which folds for towing and unfolds to provide temporary living accommodation for recreational camping and tourist purposes;
	Jeep	(f) "Dumper" means a self propelled goods vehicle having an open cargo body designed to transport and dump or spread materials;
	Jeep stage carriage	(g) "House Traller" means a trailer or semi-trailer equipped and used for temporary living quarters for camping or tourist purposes and not for the transportation of freight, goods, wares and merchandise and the like;
	Taxi	(h) "Prime Mover" means a motor vehicle designed and used primarily for drawing other vehicles and not so constructed to carry a load other than a part of the weight of the vehicle and load as drawn;
	Maxi cab	(i) "Tow Truck" means a motor vehicle designed or altered and equipped for and used to push, tow or draw disabled vehicles by means of crane, hoist tow bar, tow line auxiliary axles and to render assistance to disabled vehicles;
	Ambulance	(j) "Trackless Trolley Coach" means a motor vehicle which is propelled by electric power obtained from overhead trolley wires but not operated upon rails.
	Station wagon	
	Invalid Carriage	
	Van	
	Four-wheelers-goods carriage	
	Delivery van	
	Truck	
	Fork Lift	
	Postal Van	
	Mobile canteen	
	Mobile post office	
	Mobile clinic	
3. Medium and heavy motor vehicle	Passenger vehicle	
	stage carriage, ordinary	
	Express bus	
	Town/city bus	
	Mini bus	
	Passenger-cum-goods carriage	
	Tourist coach	
	Campers van	
	Camping trailer/House trailer	
	Trackless trolley coach	
	Double-decker bus	
	Goods carriage	
	Animal ambulance	
	Crane	
	Truck	
	Dumper	
	Fork lift	
	Pick up van	
	Rig	
	Tow truck	
	Refuse collector	
	Demonstration van	
	Mobile van canteen	
	Mobile library van	
	Mobile post office vehicle	
	Postal van	
	Mobile clinic	
	Mobile workshop	
	Mobile shop vehicle	
	Tanker	
2. For the purpose of this notification,—		
(a) "Ambulance" means vehicle specially designed, constructed or modified and equipped and intended to be used for emergency transportation of persons who are sick, injured, wounded or otherwise incapacitated;		1. अधिकृत नाम, प्रारंभ और आगे होना। (1) इस स्तर का मध्यिकृत नाम कैवल किया गया होना स्थीर, 1989 है।
(b) "Animal ambulance" means an ambulance intended to be used for the emergency transportation of sick, injured, wounded or otherwise incapacitated animals;		(2) ये राजनीति में प्रकाशन की तरीका को प्रवृत्त होता है, अवश्य।
(c) "Auto-rickshaw" means a motor vehicle having three wheels constructed or adapted and used to carry not more than three passengers for hire or reward excluding the driver;		(3) ये उन गभीर मोटर कींवों को लागू होती जिनको अधिकृतम की धारा 88 की उपधारा (७) के अधीन पर्टी परमिट दिए गए हैं और जो पैरा 6 के नियमों के अनुसार वीर्य अनुमति के अधीन चलाई जा रही है।
		2. परिषाधा—इस धारा में जब तक कि निम्न में प्रदीपा दीजिया न हो—
		(क) "अधिकृतम" से माटर यात्रा अधिकृतम, 1988 परिषेत है;
		(ग) "इच्छा" से इस स्तर में नियम प्रस्तुत योजना है;
		(ग) "अनुमति" से ऐसी अनुमति अधिकृत है जो ऐसे अधिकृत वाहनों की स्वयं के उपयोग के लिए स्वयं कंशों की चलाने को बांधा करते हैं, मोटर कैब कियाएं पर देने का कारबाहर करने के लिए पैरा 6 के अधीन वीर्य अनुमति दी गई या नवीकृत की गई है;

(८) "अनुज्ञापन प्राधिकारी" से अधिनियम की घारा 68 की उप-ताग (१) के अधीन परिवहन प्राधिकरण प्रभित्रेन है;

(९) "चालक" से कम से कम 50 मोटर कींबों की बाबत अधिनियम की घारा 88 की उपघारा (१) के अधीन दिए गए परमिट का शास्त्र अधित्रेन है।

3. चालकों का अनुज्ञापन—फोई भी अवित्र अनुज्ञापन के बिना इम स्कीम के अधीन मोटर कैब ड्राइवर पर दंतों का कारबार नहीं करेगा।

4. अनुज्ञाप्ति दिए जाने और उमके नवीकरण के लिए प्रावेदन—(१) पैरा 6 के अधीन अनुज्ञाप्ति दिए जाने और उमके नवीकरण के फोई प्रावेदन उस क्षेत्र की, जिसमें वह निवास करता है या उसके मुख्य कारबार का स्थान है (जिसे इसके पक्षात् मुख्य कार्यालय कहा या है), अधिकारिता रखने वाले अनुज्ञापन प्राधिकारी को प्रलेप 1 में किया जाएगा और उसके साथ पांच मीट्रो फीज भेजे जाएंगी।

(२) जहां प्रावेदक का, मुख्य कार्यालय के अतिरिक्त छांड (१) में निर्दिष्ट अनुज्ञापन प्राधिकारी की अधिकारिता के भीतर कोई शास्त्र कार्यालय है, वहां प्रावेदन में ऐसे प्रत्येक स्थान पर अनुज्ञाप्ति किए जाने के लिए प्रस्तावित मोटर कींबों की संख्या सहित ऐसे स्थान उदर्दृश्य किए जाएंगे।

(३) जहां प्रावेदक के अनुज्ञापन प्राधिकारी की अधिकारिता से बाहर शास्त्र कार्यालय है, वहां प्रावेदन उस अनुज्ञापन प्राधिकारी को जिसकी अधिकारिता में शास्त्र कार्यालय स्थित है, प्रलेप 2 में किया जाएगा और इसके साथ ऐसे प्रत्येक शास्त्र कार्यालय की बाबत एक हजार रुपए की फीस भेजी जाएगी।

5. प्रावेदन की जांच—अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुज्ञाप्ति देने या नवीकृत करने से पहले निम्नलिखित के संबंध में विचार करेगा:—

- (१) यह कि प्रावेदक का अवधार चरित्र है और उसे धात्री परिवहन कारबार का प्रावेदक है;
- (२) यह कि प्रावेदक का मुख्य कार्यालय या शास्त्र कार्यालय या तो प्रावेदक के स्थानिक में है या वह उसके द्वारा पट्टे पर या उसके नाम में किया गया है और इसमें स्वागत काम, प्रशासनिक अनुज्ञापन लाकर की सुविधाओं सहित यात्री सामान घर, स्वच्छता छांड के लिए पर्याप्त स्थान और मोटर कींबों के लिए पर्याप्त आवृत्त स्थान है;
- (३) यह कि प्रावेदक के पास अपने यात्रों को रखने, उनके अनुरक्षण और सरमत के लिए प्रावेदक की सुविधाएँ हैं;
- (४) यह कि प्रावेदक के पास कम से कम एक टेलीफोन है जो दिन और रात के समय सुलभ है;
- (५) यह कि प्रावेदक के कम से कम पर्यटन महूख के शहरों में शास्त्र कार्यालय हैं जिसमें टेलीफोन लगे हुए हैं और जिनमें यात्रों को रखने, उनके अनुरक्षण और सरमत की सुविधा है;
- (६) यह कि प्रावेदक के वित्तीय स्वोत भोटर कींबों के निर्गंतर अनुरक्षण और स्थान के बड़े प्रबंध की अवस्था भग्ने के लिए पर्याप्त है;
- (७) यह कि प्रावेदक अधारक जीमा किए गए, ठीक हालत में होने के प्रमाणात्मक में यकृत और अद्यतन मोटर यान कर संवत किए गए कम से कम 50 ऐसे मोटर कींबों का अनुरक्षण करता है जिनमें से 50 प्रतिशत बानेन्कूलित हैं जो सम्पर्क रूप से अधिनियम की घारा 88 की उपघारा (१) के अधीन दिए गए परमिट के प्रत्यक्षत आते हैं।

परन्तु अनुज्ञापन प्राधिकारी की अधिकारिता से बाहर की किसी स्थान में अवस्थित शास्त्र कार्यालय के लिए अनुज्ञाप्ति की दशा में ऐसे शास्त्र कार्यालय द्वारा कम से कम पांच मोटर कींबों का अनुरक्षण किया जान पर्याप्त होगा।

6. अनुज्ञाप्ति का दिया जाना—अनुज्ञापन प्राधिकारी, पैरा 4 के अधीन आवेदन के प्राप्त होने पर और उसका यह समाप्त हो जाने पर कि प्रावेदक ने पैरा 5 की प्रपेक्षाओं का पालन कर दिया है, यथास्थिति प्रलेप 3 या प्रलेप 4 में अनुज्ञाप्ति दे सकेगा उसे नवीकृत कर सकेगा:

परन्तु अनुज्ञाप्ति के लिए कोई भी आवेदन अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा तब तक अस्वीकृत नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक को मुक्तवाई का अवसर नहीं दे दिया जाता और अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा ऐसे अस्वीकार किए जाने के कारण उसको लिखित में नहीं दे दिया जाते।

7. अनुज्ञाप्ति की अवधि—पैरा 6 के अधीन भी गई या नवीकृत की गई अनुज्ञाप्ति इसके दिए जाने या नवीकृत किए जाने की सारी तरह से पांच वर्ष की अवधि तक विधिमाला तक ही मीमित होगी।

परन्तु पैरा 4 के छांड (३) के अधीन निर्विष्ट शास्त्र कार्यालयों की बाबत अनुज्ञाप्तियों की दशा में ऐसी अनुज्ञाप्ति की विधि मान्यता मुख्य कार्यालय की बाबत वी गई अनुज्ञाप्ति की विधिमाला तक ही मीमित होगी।

8. अनुज्ञाप्ति के धारक द्वारा पालन की जाने वाली साधारण शर्त—अनुज्ञाप्ति का धारक—

- (१) एक रजिस्टर रखेगा जिसमें प्रलेप 5 में निर्दिष्ट विशिष्टियां अंतर्विष्ट करते हुए ऐसे यान के लिए एक पृष्ठ पृष्ठ होगा और जहां कोई मोटर कैब किसी राष्ट्रीय द्वारा किया गया रखेगा तो जाली है वहां रजिस्टर प्रलेप 6 में रखेगा;
- (२) उस अनुज्ञापन प्राधिकारी के, जिसने अनुज्ञाप्ति दी थी, लिखित में पूर्व अनुमोदन के बिना अनुज्ञाप्ति में वर्णित कारबार का मुख्य स्थान नहीं बदलेगा।
- (३) अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा या किसी ऐसे अवधित द्वारा, जो मोटर यान निरीक्षक की प्रक्रिया से न हो और जिसे अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया जाए सभी युक्तियुक्त गम्य पर निरीक्षण के लिए परिस्तर और सभी अधिनियम और रखेगा गए रजिस्टर तथा मोटर कैब खुले रखेगा।
- (४) अनुज्ञापन प्राधिकारी को समय समय पर ऐसी जानकारी और विवरणी प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा मांगी जाए;
- (५) अपने मुख्य कार्यालय और शास्त्र कार्यालय के प्रमुख मूल स्थान में जारी की गई अनुज्ञाप्ति और उसकी प्रमाणित प्रतिशत, जो अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित की जाए, प्रदर्शित करेगा;
- (६) अपने मुख्य कार्यालय और शास्त्र कार्यालयों के सहज बृहद स्थान पर प्रलेप 7 में एक "शिकायत पुस्तक" रखेगा जिसमें लीन प्रतिशतों में क्रमानुसार संख्याक्रित पृष्ठ होंगे। अनुज्ञाप्तिधारी शिकायत की, यदि कोई हो, दूसरी प्रति मीमित से और किसी भी दशा में ३ दिन के अवधित रजिस्ट्रीकून डाक द्वारा अनुज्ञापन प्राधिकारी को भेजेगा।
- (७) अपने मुख्य कार्यालय और शास्त्र कार्यालयों में एक सुसाब बेटी रखेगा और अपनी टिप्पणी सहित यदि कोई हो, प्राप्त किए गए सुसाबों को भास में एक बार अनुज्ञापन प्राधिकारी को अप्रेषित करेगा।

(8) जहाँ सरकार के अनुमोदन से किसी विदेशी महायोग में कारबाहर कर रहा है, वहाँ वह तथ्य केन्द्रीय सरकार के पर्यटन विभाग के विनियोग अनुमोदन सहित कार्यालय परिसर में प्रवर्शित किया जाना चाहिए।

9. किंगाया प्रभारों का सप्रहण—अनुशासित का धारक विवेशी राष्ट्रीय या अनिवासी भारतीयों से विदेशी मुद्रा में ही किंगाया प्रभार प्रकल्पित करेगा और विवेशी मुद्रा में संघवहार करने के प्रयोगन के लिए अनुशासित धारण करेगा।

10. मोटर कैबों के अवक्षेत्र के कर्तव्य और उत्तरदायत्वः—
(1) प्रत्येक अवक्षेत्र का यह कर्तव्य होगा कि वह समय समय पर अनुशासित के धारक को धरपने संचलन के बारे में सूचित करे।

(2) यदि किसी व्याप्ति या कंपनी में पर्यटन पत्र के प्रधान के रूप में यान किए गए पर लिया है तो ऐसे पत्र के प्रधान का यह कर्तव्य होगा कि वह समय-समय पर अनुशासित के धारक को प्रत्येक यान के संचलन के बारे में सूचित करे।

11. अनुशासन प्राधिकारी की अनुशासित को निलंबन या रद्दः करने की शक्ति:—(1) यदि अनुशासित के धारक को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् अनुशासन प्राधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि—

(क) वह पैरा 8 या पैरा 9 के उपबंधों का अनुपालन करने में असफल रहा है; या

(ख) वह अधिनियम और नियमों के उपबंधों के अनुपालन में मोटर कैब रखने में असफल रहा है; या

(ग) उसके किसी कर्मचारी ने ग्राहकों से कदाचार किया है; या

(घ) किसी अवक्षेत्र द्वारा अनुशासित धारी के विरुद्ध कोई शिकायत युक्तिपूक्त संशय से परे साचित हो गई है;

तो अनुशासन प्राधिकारी (1) किसी विनियोग अवधि के लिए अनुशासित निलंबित कर देगा या (2) अनुशासित को रद्द कर देगा।

(2) जहाँ अनुशासित रद्द या निलंबन किए जाने के लिए बाधी है और अनुशासन प्राधिकारी की यह यात्रा है कि मामले की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए अनुशासित को रद्द या निलंबित करना आवश्यक या समीर्चान नहीं होगा, वहाँ यदि अनुशासित का धारक ऐसा जुर्माना देने के लिए महमत हो जाता है जो अनुशासन प्राधिकारी द्वारा अधिगेतित किया जाए तो खंड (1) में किसी बात के होते हुए भी अनुशासन प्राधिकारी, अनुशासित को, यथास्थिति, रद्द या निलंबित करने के बजाय, अनुशासित के धारक से उक्त जुर्माना घसूल कर सकेगा।

(3) जुर्माने की वसूली के प्रयोजन के लिए राज्य सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, निर्णयन के प्रत्येक यित्र के लिए वसूलीय रकम और अनुशासित के रक्करण के बदले में वसूलीय रकम विनियोग कर सकती और वह समय भी विनियोग कर सकती जिसके भीतर तथा कोई रकम संबंध है, जिसके न होते पर खंड (1) के अधीन पारित आवेदन कार्यान्वयन किए जाएंगे।

(4) जब अनुशासित खंड (1) के प्रधान निलंबित या रद्द कर दी गई हो तब अनुशासित का धारक अनुशासन प्राधिकारी को अनुशासित अध्ययित कर देगा।

12. अपीलः—पैरा 6 या पैरा 11 के प्रधान अनुशासन प्राधिकारी के किसी आदेश से अधिकत तोड़ अवधि, आवेदन के प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर, राज्य परिवहन अपील प्रधिकरण को अपील कर सकेगा।

13. अपील के लिए प्रक्रिया—(1) पैरा 12 के अधीन कोई अपील अनुशासन प्राधिकारी के आवेदन के प्रति आवेदनों के आधार अवालों पर अपील के रूप में योग्यताओं में को जाएगी और उसके राज एंसो फीस होती जो राज्य सरकार द्वारा, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, विनियोग की जाए।

(2) राज्य परिवहन अपील प्रधिकरण पक्षकारों को सुनवाई का अवसर देने और ऐसी जांच करने के पश्चात्, जो वह आवश्यक समझे, समुचित आदेश पारित कर सकेगा।

14. अनुशासित का स्वेच्छया अध्ययन—अनुशासित का धारक उसको जारी की गई अनुशासित किसी भी समय उस अनुशासन प्राधिकारी को अध्ययन कर सकता है पर अनुशासन प्राधिकारी अनुशासित को रद्द कर देता। अनुशासित का धारक, अनुशासित अध्ययन करने से पहले, पैरा 11 के खंड (2) में नियोग बदला द्वारा गणि का संदाय करेगा।

[पा.स. 31014/3[89 टी ए जी]

प्रस्तुप 1

[पैरा 4 (1) विविध]

मुद्र्य कार्यालय वी बायत मोटर कैबों वो किए गए पर देने के लिए अनुशासित देने या नवीकरण के लिए आवेदन

में,

राज्य परिवहन प्राधिकरण

—राज्य/संघ राज्य थेन्डर

में, अधीनस्ताश्वरी—राज्य में मोटर कैबों को किए गए पर देने के लिए अनुशासित देने के लिए आवेदन करता है—

1. पूरा नाम

2. (क) पूरा पता
पल्ली/पुराना/पुराना

(ख) फोन नम्बर

3. आयु

4. (क) परिवहन कारबाहर के प्रबंध में अनुभव

(ख) विधिमाला वर्गीकृत धारित मोटर कैबों की संख्या

5. अनुशासित की विशिष्टियाँ, यदि वह पहले से ही धारण की हुई हो

6. (क) विशृणु पते सहित वह स्थान जहाँ आवेदक का मुख्य कार्यालय है।

(ख) विशृणु पते सहित वह स्थान जहाँ आवेदक का शास्त्र कार्यालय है।

नगर (नगरो) का नाम

(ग) प्रत्येक शास्त्र कार्यालय में आविष्ट किए जाने वाले मोटर कैबों की संख्या

7. आवेदक के विशिष्ट स्थानों की प्रकृति और उनकी सीमा

8. राजस्त्रीकरण चिन्ह के धीरे सहित स्वामित्व में के मोटर कैबों की विशिष्टियाँ

9. उस स्थान का पूरा विवरण जहाँ कारबाहर किया जाता है—

(क) स्थिति, चुला धोका, आवृत्त धोका

(ख) कोई ग्रन्थ विशिष्टियाँ

10. में मोटर कैबों को किए गए पर देने का कारबाहर करने की घर्ती से अवगत है।

11. मैं यह घोषणा करता हूँ कि मेरी भवांतम जानकारी और विषयाम के अनुमान अपर दी गई विशिष्टियाँ सही और ठीक हैं।

पांच सौ रुपये की विवित फीस—द्वारा सदम की जा रही है।

पारीख*

पारीख के हस्ताक्षर
(*पहाँ संदाय का प्रकार उपदर्शित करें।)

प्र॒ष्ठा -

(नियम १)

मोटर ईंच कियाए पर देने वाले अनुबंधितारी द्वाया रखा जाने वाला रजिस्टर

अम मं.	अवशेषा का नाम	पूरा नाम	फोन नं., यदि कोई हो	मोटर चालन अनुबंधित संस्थाक	किसके द्वारा जारी किया गया (प्राधि- कारी)	यात्रा का बर्ग की तारीख	जारी करने को नारीख
1	2	3	4	5	6	7	8

अवशेषा की तारीख कियाए पर देने की तारीख- यात्रा वापस करने की भी मोटर यात्रा कुछ किसने अवशेषा के हस्ताक्षर दिए गया
और समय तारीख और समय किसीमीटर उपयोग में लाया गया

9	10	11	12	13	14
---	----	----	----	----	----

प्र॒ष्ठा 6

[भिन्न 8(1) देखिए]

जहा मोटर ईंच किसी विदेशी को कियाए पर दी जाती है वहां मोटर ईंच कियाए पर देने वाले अनुबंधितारी द्वाया रखा जाने वाला रजिस्टर

अम मं.	अवशेषा का नाम	पूरा नाम	फोन सं., यदि कोई हो	चालन अनुबंधि सं	किसके द्वारा जारी किया गया (प्राधिकारी)	6
1	2	3	4	5	6	6

यात्रा का बर्ग	जारी करने की तारीख	अवशेषा की तारीख	पासपोर्ट सं.	किस प्राधिकारी द्वाया दिया गया और राज्य/गढ़	11
7	8	9	10	11	11

पासपोर्ट जारी करने की तारीख	अवशेषा की तारीख	पासपोर्ट के अनुसार जन्म की तारीख	अन्तर्राष्ट्रीय चालन परमिट अन्तर्राष्ट्रीय चालन परमिट अन्तर्राष्ट्रीय चालन परमिट के प्रवास की तारीख करने वाला प्राधिकारी	12	13	14	15	16	17
12	13	14	15	16	17				

उस यात्रा का बर्ग जिसे फिराए पर देने की यात्रा वापस लौटाने की अवशेषा के हस्ताक्षर दिए गया	मोटर यात्रा कुछ किसने अवशेषा के हस्ताक्षर पिलोमीटर उपयोग में लाया गया	दिए गया			
18	19	20	21	22	23

प्रकाश /

[वैदा 8(vi) देखिए]

जिकायत पृष्ठम् (सीन प्रतियों में काम से संबंधित पृष्ठों महिल)

1. शिकायत करने वाले का नाम
2. पुरा पता
3. "किराए पर कैब देना" के लिए अनुचित के घार का नाम और पता
4. अनुचित का संबंधित और वह प्राधिकरण जिसने अनुचित जारी की है।
5. घार को किराए पर बेंच की नारीब और ममता और जब यह बास किरा गया उसकी नारीब और ममता
6. घार संबंधित

संघों में शिकायत-

नामीक :

स्थान :

प्रमाणिक

संघ में,

1. यश परिवहन प्राधिकरण— (दूसरी प्रति), राष्ट्रीयीकरण डाक बाटा।
2. शिकायत करने वाला— (वीरा प्रति)

S.O. 437(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 75 of Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following scheme for regulating the business of renting of motor cabs to persons desiring to drive the cabs for their own use and matters connected therewith, namely :—

1. Short title, commencement and applicant.—(1) This scheme may be called Rent a Cab Scheme, 1989.

(2) It shall come into force on the first day of July, 1989.

(3) It shall apply to all motor cabs to which tourist permits have been issued under sub-section (9) of section 88 of the Act and operating under a licence granted in terms of para 6.

2. Definition.—In this section unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" means Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988);
- (b) "Form" means a Form appended to this scheme;
- (c) "licence" means a licence granted or renewed under paragraph 6 to engage in the business of renting of motor cabs to persons desiring to drive the cabs themselves for their own use;
- (d) "licensing authority" means the State Transport Authority constituted under sub-section (1) of section 68 of the Act;
- (e) "operator" means the holder of a permit issued under sub-section (9) of section 88 of the Act in respect of not less than 50 motor cabs;

3. Licensing of operators.—No person shall engage himself in the business of renting a motor cab under this scheme without a licence.

4. Application for grant or renewal of licence.—(1) An application for the grant or renewal of a licence under paragraph 6 shall be made in Form 1 to the licensing authority having jurisdiction in the area in which he resides or has his principal place of business (hereafter referred to as main office) and shall be accompanied by a fee of rupees five thousand.

(2) Where the applicant, has besides the main office, branch office within the jurisdiction of the licensing authority referred to in clause (1), the application shall indicate such places with the number of motor cabs proposed to be stationed at each such place.

(3) Where the applicant has branch offices outside the jurisdiction of the licensing authority, the application shall be made to the licensing authority in whose jurisdiction the branch office is situated, in Form 2 accompanied by a fee of rupees one thousand in respect of each such branch offices.

5. Scrutiny of application.—A licensing authority shall, before granting or renewing a licence take into consideration the following namely: - -

- (i) That applicant has a good moral character and has intimate knowledge of passenger transport business;
- (ii) That the main office or the branch office of the applicant is either owned by the applicant or is taken on lease by him or is hired in his name and it has adequate space for reception room, administrative section, cloak room with locker facilities, sanitary blocks, sufficient covered space for the motor cabs;
- (iii) That the applicant has necessary facilities for the housing maintenance and repair of his vehicles;
- (iv) That the applicant has at least one telephone which is accessible throughout day and night;
- (v) That the applicant has branch offices, with telephones, in not less than 5 cities of tourist importance with facilities for housing maintenance and repair of vehicles;
- (vi) That the financial resources of the applicant are sufficient to provide for the continued maintenance of motor cabs and for the efficient management of the establishment;
- (vii) That the applicant maintains not less than 50 motor cabs of which 50 percent is air-conditioned duly covered by permits issued under sub-section (9) of section 88 of the Act, with comprehensive insurance, fitness certificate, motor vehicles tax paid upto date :

Provided that in the case of licence for a branch office situated in a place outside the jurisdiction of the licensing authority, it shall be sufficient, if such branch office maintains not less than five motor cabs.

6. Grant of licence.—The licensing authority may, on receipt of an application under paragraph 4 and after satisfying himself that the applicant has complied with the requirements of paragraph 5, grant or renew the licence in Form 3 or, as the case may be, in Form 4.

Provided that no application for a licence shall be refused by the licensing authority unless the applicant is given an opportunity of being heard and reasons for such refusal etc given in writing by the licensing authority.

7. Duration of licence.—A licence granted or renewed under paragraph 6 shall be valid for a period of five years from the date of grant or renewal :

Provided that in the case of licences in respect of branch offices referred to under clause (3) of paragraph 4, the validity of such licence shall be restricted to the validity of the licence granted in respect of main office.

8. General conditions to be observed by the holder of the licence.—The holder of a licence shall,—

- (i) maintain a register with a separate page for such vehicle containing the particulars specified in Form 5 and where a motor cab is hired by a foreign national, shall maintain a register in Form 6.
- (ii) not shift the principal place of business mentioned in the licence without the prior approval in writing of the licensing authority which granted the licence.
- (iii) keep the premises and all the records and register maintained and the motor cabs open for inspection at all reasonable times by the licensing authority or by any person not below the rank of motor vehicle inspector as may be authorised in this behalf by the licensing authority;
- (iv) submit, from time to time, to the licensing authority such information and return as may be called for by it;
- (v) display at a prominent place in its main office and its branch office, the licence issued in original and certified copies thereof, attested by the licensing authority;
- (vi) maintain in their main office and branch offices in a conspicuous place a "complaint book" in the Form 7 with serially numbered pages in triplicate. The licensee shall despatch the duplicate copy of Complaint, if any, to the licensing authority by registered post expeditiously and in any case not later than 3 days.
- (vii) maintain a suggestion box in the main office and branch offices and forward their suggestions received with their comments, if any, to the licensing authority, once a month.
- (viii) where he is having a foreign collaboration with the approval of the Government, this fact should be displayed in the office premises, with the specific approval of Department of Tourism of the Central Government.

9. Collection of hire charges.—The holder of a licence shall collect the hire charges from a foreign national or a non-resident Indians only in foreign exchange and shall hold for the purpose a licence to transact in foreign exchange.

10. Duties and responsibilities of hires of motor cabs.—

(1) It shall be the duty of every hire, to keep the holder of the licence, informed of his movements, from time to time.

(2) If an individual or company has hired the vehicle as leader of the tourist party, it shall be the duty of such leader of the party to keep the holder of the licence, informed of the movement of each vehicle, from time to time.

11. Power of licensing authority to suspend or cancel the licence.—

(1) If the Licensing Authority is satisfied after giving the holder of the licence, an opportunity of being heard, that he has—

- (a) failed to comply with the provisions of paragraph 8 or 9, or
- (b) failed to maintain the motor cab in compliance with the provisions of the Act and rules; or
- (c) any one of his employee has misbehaved with the customers; or
- (d) any complaint against the licensee by any hirer has been proved beyond reasonable doubt;
- (i) suspend the licence for a specified period, or
- (ii) cancel the licence.

(2) Where the licence is liable to be cancelled or suspended and the licensing authority is of opinion that having regard to the circumstances of the case, it would not be necessary or, expedient to cancel or suspend the licence, if the holder of the licence agrees to pay the fine that may be imposed by the Licensing Authority, then notwithstanding anything contained in clause (1), the licensing authority may, instead of cancelling or suspending the licence, as the case may be recover from the holder of the licence the said fine.

(3) For the purpose of recovery, the fine the State Government may, by notification in the official Gazette, specify the amount recoverable for each day of suspension and the amount recoverable in lieu of cancellation of the licence and specify the time within which the sum of money agreed upon is payable failing which the orders passed under clause (1) shall be implemented.

(4) When the licence is suspended or cancelled under clause (1), the holder of the licence shall surrender the licence to the Licensing Authority.

12. Appeal.—Any person aggrieved by any order of the Licensing Authority under paragraph 6 or paragraph 11, may within 30 days of the receipt of the order, appeal to the State Transport Appellate Tribunal.

13. Procedure for Appeal.—(1) An appeal under paragraph 12 shall be preferred in duplicate in the form of a memorandum setting forth the ground of objections to the order of the Licensing Authority and shall be accompanied by a fee as may be specified by the State Government, by notification, in the Official Gazette.

(2) The State Transport Appellate Tribunal may after giving an opportunity to the parties to be heard and, after such enquiry as it may deem necessary, pass appropriate orders.

14. Voluntary surrender of the licence.—The holder of a licence may at time surrender the licence issued to him to the Licensing Authority which granted the licence and on such surrender, the licensing authority shall cancel the licence. The holder of the licence before surrendering the licence shall clear the dues referred to in clause (2) of paragraph 11.

FORM 1

[See paragraph 4(1)]

Application for grant or renewal of licence for renting motor cabs in respect of main office.

To

The State Transport Authority.

.....State/UT

I, the undersigned hereby apply for a licence for renting motor cabs in the State of

1. Full name
Son/wife/daughter of
2. (a) Full address :
(b) Telephone No.
3. Age
4. Experience in the management of transport business
(b) No. of motor cabs held with valid permit.
5. Particulars of Licence.
If already held.
6. (a) Place where the applicant has his main office with detailed address.
(b) Place where the applicant has his branch office with detailed address.
name of Town(s)
(c) the number of motor cabs to be stationed in each branch office.
7. Nature and extent of financial resources of the applicant.
8. Particulars of Motor Cabs owned alongwith details of Registration Mark.
9. Full description of the place where the business is to be carried on—
(a) Location, open area,
covered area
(b) Any other particulars
10. I am conversant with the conditions for carrying the business for renting of Motor Cabs.
11. I hereby declare that to the best of my knowledge and belief the particulars given above are correct and true.
The prescribed fee of rupees five thousand is paid by*.....

Place

Date :

Signature of Applicant

(*Here indicate mode of payment).

FORM 2

[See paragraph 4(3)]

Application for grant or renewal of licence for renting of motor cabs in respect of Branch Office, in another State

To

The State Transport Authority.

.....State/UT

I, the undersigned hereby apply for a licence for renting motor cabs in my Branch Office in the State of

1. Full Name :
Son/wife/daughter of
2. Full address (Branch Office)
Telephone number

3. Age
4. Experience in the management of Transport business.
 - (b) number of motor cabs held with valid permits in the proposed Branch Office.
5. Particulars of licence held for Main Office -
 - (a) Authority which granted the licence
 - (b) Date of issue
 - (c) Date of expiry
6. Place where the applicant has Main Office.....
7. Nature and extent of financial resources of the applicant.
8. Particulars of motor cabs owned with details of permits, registration number etc.
9. Full description of the branch office where the business is to be carried out.
 - (a) Location, open area, covered area.
 - (b) Any other particulars.
10. I hereby declare to the best of my knowledge and belief the particulars given above are correct and true.

The prescribed fee of rupees one thousand is paid by*.....

Place:

Date :

Signature of applicant

*indicate the mode of payment.

FORM 3

[See Paragraph 6]

Licence for renting motor cabs—Main Office

Name of the operator

Son/wife/daughter of

Full address of the place
of business :

Registration Mark of motor cabs authorised for renting

Main Office

- 1.
- 2.
- 4.
- 5.
- 7.
- 8.
- 10.
- 11.

Branch Office

- 3.
- 6.
- 9.
- 12.

is licensed to rent motor cab.

This licence is issued on.....and is valid upto

State Transport Authority
..... State/UT

Renewal

Renewed from.....to.....

State Transport Authority
..... State/UT

FORM 4

[See paragraph 6]

Licence for renting of motor Cabs—Branch Office

Name of the operator

Son/wife/daughter of

Full address of the Branch Office.....

Address where the Main Office is situated

Licence number and the Authority which issued the licence with its date of expiry.....

Registration Mark of motor cabs authorised for renting in the Branch Office
is licensed to rent motor cabs

The licence is issued onand is valid upto.....

State Transport Authority
.....State/UT

Renewal

Renewed from.....to.....

State Transport Authority
.....State/UTFORM 5

[See paragraph 8(i)]

Register to be maintained by Rent a Motor Cab Licencee

Sr No.	Name of Hirer	Full address	Telephone No. if any	Motor Driving Licence No.	Issued by (Authority)	Class of vehicle	Date of issue
1	2	3	4	5	6	7	8

Date of Expiry	Date and Time of Hire	Date and Time of returning vehicle	Motor vehicle used for total kilometers	Signature of Hirer	Remarks
9	10	11	12	13	14

FORM 6

[See paragraph 8(i)]

Register to be maintained by Rent a Motor Licence in case where the motor cab is hired to a foreigner

Sr. Name of Hirer No.	Full Address	Telephone No. if any	Motor Driving Licence No.	Issued by (Authority)	Class of vehicle	Date of Issue	Date of expiry	Passport No.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

Issued by the Authority and State/Nation	Date of issue of passport	Date of expiry	Date of birth as per passport	Driving permit No. if any	Date of issue of Driving permit	Class of vehicle	Date and time of Authorised to drive	Date and time of Hire	Date and time of returning vehicle	Motor vehicle used for total Kms.	Signature of Hirer
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	

Remarks

22.

FORM 7

[See paragraph 8(vi)]

Complaint Book (with pages serially numbered in Triplicate)

1. Name of the complaint :
2. Full address :
3. The name and address of the holder of the licence for 'Rent a Cab'
4. Licence number and the authority which issued the licence.
5. The date and time of hiring the vehicle and date and time when the vehicle was returned.
6. Vehicle number

Complaint in brief :

Date :

Place :

Signature

1. The State Transport Authority.....(Duplicate copy) by Registered Post.
2. The complainant.....(Triplicate copy).

फांसा० 438(अ) :—फेन्डीय सरकार, मोटर यात्रा प्रधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 38 की उपधारा (8) के अनुसार सरण में और भारत सरकार के नीवहन और परिवहन मंत्रालय की तरीके 9 प्राप्त, 1971 की अधिसूचना संख्याके कांसा० 1008 को अधिकारीत करते हुए, यह विनियिष्ट करती है कि उक्त उपधारा में नियिष्ट विशेष परमिटों के अंतर्गत आने वाले शोक सेवा यात्रों को समनुदेशित किए जाने वाला विशेष सुभेद्रक विहू का प्रस्तुत वह होगा जो नीचे उल्लिखित किया गया है और कि उक्त सुभेद्रक विहू उक्त यात्रा के हवा से बचने के लिए शीशे पर प्रमुख रूप से प्रयोगित किया जाएगा।

विशेष गुमेश्वक विहू

विमा
बिल्यूम 11 मिठाम०
कूप यात्रा 100 मिठाम०
रंग
मध्य-हुल्का रंग
विनाराज्याम

संविद्धा
विशेष परमिट, संरक्षणार्थक :
मोटर यात्रा प्रधिनियम 1988
की दृष्टि ४४ अक्टूबर
अधीन जारी किया गया
_____ दृष्टि जारी किया गया
लक विधिमाला

टिप्पणी : यात्रा के स्वासे बद्धने
के शीशे पर प्रमुख रूप
से प्रयोगित किया
जाना चाहिए।

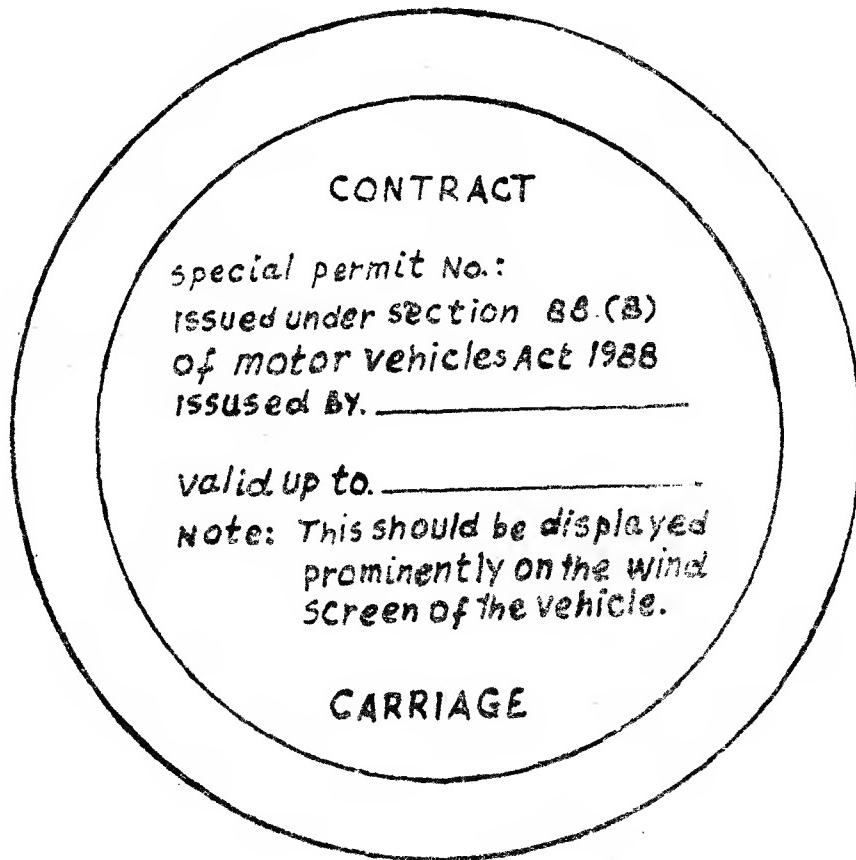
2. यह अधिसूचना 1 अक्टूबर,
1989 को प्रवृत्त होगी।

— खाता —

S.O. 438(E).—In pursuance of sub-section (8) of section 88 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. S.O. 1008, dated the 9th August, 1971, the Central Government hereby specifies, that the form of special distinguishing mark to be assigned to public service vehicles covered by special permits referred to the said sub-section, shall be as indicated below and that the said distinguishing mark shall be displayed prominently on the wind screen of the said vehicle,

Special Distinguishing Mark

Dimensions
 Border 6 mm
 Overall Diameter 100 mm
 Colour
 Centre-Light Blue
 Border-Red



2. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

ना. नि. ६३९(७) :—सेन्ट्रल लोटरी, मोदर राज सम्प्रतिवाय, १९८६ (१९८५ का ५०) की तारीख ११८ द्वारा प्रदत्त लिखितों का प्रवृत्त करते हुए, मोटरवाहनों के आकास के लिए निम्नलिखित वित्तियम बनाती है, यथा—

क्षणिका भाग और प्रारम्भ।

1. (1) इन वित्तियों का मंशिता नाम सहज वित्तियम वित्तियम १९८९ है।

(2) वे १ जुलाई, १९८९ को प्रवृत्त होते।

याएँ रहना।

2. किसी मोटरवाहन का आलक्षण्यान को महक की दाई ओर इतना भग्न बन जाएगा जितना योनीकी हो और अपने मामते लाली दिशा में आने वाले समस्त यातायात की अपनी दाई ओर में जाने देगा।

याएँ और याएँ रहना।

3. किसी नोटरी यात का चालक—

(क) दाई ओर मुड़ते समय उम सहक के लिये वह मुड़ रहा है और उम सहक के लिये पर वह प्रवेश कर रहा है, अधिक से अधिक दाई ओर रहनेर यात जाएगा;

(ख) दाई ओर मुड़ते समय उम सहक के लिये से वह यात्रा यह रहा है, अधिक से अधिक दीख में जानेगा और उम सहक के लिये पर चालक प्रवेश कर रहा है, अधिक से अधिक दाई ओर पहुँच जाएगा।

याएँ से आगे रहना।

1. वित्तियम ४ में जैसा उपलब्धित है उसके लियाय किसी नोटरीयान का आलक उम दिशा में बह रहे यातायात की दाई ओर से हीकर आगे जाएगा।

याएँ में आगे जाना।

5. किसी मोटरवाहन का आलक दोसे यात की दाई ओर से हीकर आगे जा सकेगा जिसके आलक ने दाएँ और मुड़ते के प्राण्य का संकेत दे दिया है और वह यात नहीं के प्राण्य में आ चुका है और किसी द्वाम जाई या तियां पटरी पर चलने वाले किसी अन्य यात के जाहे वह उसी दिशा में जा रहा है जिस में वह जा रहा है या अन्यथा, होने और से आगे जा रहेगा।

परन्तु किसी भी दशा में वह किसी द्वाम जाई के आगे दोसे समय पर या दोसे दोसे में आगे नहीं निर्देश लिये तो सहक का उत्तोग तरह याएँ अन्य अधिकारीयों को, जिसके अन्तर्गत द्वाम से उत्तरों और उत्तरों प्रवेश करने वाले आकिन भी हैं, अनुचित या अन्य होता होता संभव है।

कुछ यातायातों में आगे नियन्त्रने का प्रतिवेश।

6. किसी मोटरवाहन का आलक दोसे यात से, जो उसी दिशा में जा रहा है जिसमें वह जा रहा है, निम्नलिखित यातायातों में आगे नहीं नियन्त्रित है।

(अ) यदि उसके आगे नियन्त्रने में किसी भी दिशा में बहो हुए अन्य यातायात को अनुचित या अन्य होता हो;

(ख) यदि वह किसी दोसे द्वाम, नोड या कितारे या किसी पहाड़ी या किसी प्रकार जी अन्य ऐसी याता के लियाइ दे जिसमें आगे दी सहक यात-यात नहीं दिखाई देती है;

(ग) यदि लह जाना है कि उसके पासे आगे याता आलक उत्तरों आगे नियन्त्रना प्रारम्भ कर दिया है;

(घ) यदि उसके आगे के आलक ने वह मेंको नहीं दिया है कि वह आगे नियन्त्र यहना है।

याएँ नियन्त्रे ये जाया नहीं जाएगा।

7. किसी नोटरीयान का आलक उम समय अब यात यात उत्तरों आगे नियन्त्रने के लिए उपरोक्त बगवार या रहा है या उपरोक्त नियन्त्र यहा हो, अपनी गति महीं वडाएगा या किसी भी प्रकार से ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा जो किसी आलक जान हो उपरोक्त नियन्त्रे से रहें।

महकों के मियरे के स्थान पर यातायाती।

8. किसी नोटरीयान का आलक उम यह वह दोसे यात के पास पहुँच रहा है जहाँ एक सहक दूसरी सहक को काटती है या जहाँ कई महक के बिलती हैं या जहाँ पैदल पार्ट्स है, यह जहाँ सहक का किनारा है, यात की गति घीनी कर देता और उस लूप में तब तक प्रवेश नहीं करेगा जब तक उसे यह पता नहीं चल जाता है कि वह वहाँ अधिकारियों की सुरक्षा को बरकरार में डाले चिना एवं पर भार होता है।

महकों के नियन्त्रे के स्थान पर यातायात की रकम होगा।

9. किसी नोटरीयान का आलक उम यह वह दोसे यात के पास पहुँच रहा है जहाँ एक सहक दूसरी सहक को काटती है और दोसे यातायात वित्तियम नहीं किया जा रहा है और नियन्त्रे पर प्रवेश दिया जा रहा है वह सुधर सहक के रूप में उत्तेजित की गई है, प्रवेश उपरोक्त पर उस यातों से रात्रा देगा जो उस सहक पर जा रहे हैं और किसी अन्य दशा में उन सभी यातों को रात्रा देगा जो उपरोक्त दाई और से यह पर भार होते हैं।

उपरित सेवा यातों और परम्परावेद को निवार्जि रात्रा देता।

10. प्रवेशक आलक किसी अपनि सेवा यात, या किसी एन्युवेद के नियन्त्र ग्राने पर सहक के किसारे होकर निवार्जि रात्रा देता।

यातों का अधिकार।

11. पैदल यातने यातों को अनियन्त्रित पैदल-यात-यात रह जाने का प्रधिकार है। जब किसी सहक पर अन्य यातायात के लिए विशिष्ट रूप में वैदेश यात्रा या सार्वकाल यात्रा का उत्तरवा किया गया है, तब वहींगारी किसी पुलिस अधिकारी की अनुशा जिना कोई आलक एसे पैदल यात्रे या यात्रा पर यात नहीं चलाएगा।

ये के रूप में मुहूरा।

12. कोई आलक उस स्थान पर जहाँ यू के रूप में सुझता विशेष रूप ने प्रतिसिद्ध है और अन्य यातायात सहक पर यू के रूप में तहीं नुडेगा। यदि यू के रूप में सुझता अनुरूप है तो आलक हाथ से बैमा हो गंकेत देगा जैसा काहिने सुझते के लिए होता है, अन्य-दृष्टि दर्पण में श्रेष्ठा और तब सुझेगा जब ऐसा करता सुरक्षित है।

चालकों द्वारा दिया जाने याते संकेत।

13. सभी मोटरवाहन के चालकों द्वारा निम्नलिखित महोनों का आयोग दिया जाएगा, अर्याद्—

(क) जब आलक यात की गति घीनी करता याहाँ है तब वह यात की दाई ओर से आगे नहीं बाहर की होनी को सुकौण हुए बाहर निकलेगा और इस प्रकार बाहर नियन्त्रों गई बाहर की दाई यात ऐसी रीति के ऊपर नीचे कोणों जिसमें उपरोक्त यात के आलक द्वारा संहोरा रहा जा रहा है।

(ख) जब आलक यातों का चालता है तब वह यातों यात की दाई ओर से शायद दाई भूजों को बाहर निकालना रुपेनी यातायात करके लंबे रूप से खड़ी करेगा।

(ग) जब यात चालता हुए पौर सूझता चालता है या किसी अन्य यात के अपने नियन्त्रने के लिए या किसी अन्य प्रयोजन के लिए गहर की दाई घोर यात यातायात चालता है तब वह अपनी याई यातों को धैर्यित स्थिति में, हाथ की हृषेणी जो यातों किए हुए, आगे यात की दाई घोर बाहर निकलेगा।

(प) यदि चालक वाई और सड़क चाहता है या सड़क के बाई और यात्रा चालता चाहता है तब वह आर्थी वाई वाई को धारा निकालेगा और उसे यापावर्त दिशा में पुगाएगा।

(क) यदि वाई चालक अपने पीछे के यात्रा के चालक को यह बताता चाहता है कि वह चाहता है कि पीछे के यात्रा का चालक आगे निकल जाए तब वह अपने यात्रा की वाई आगे भूमि पर हाथ को धैरिज रखे में वाहर निकालेगा और यात्रा को अधीनस्थाकार रूप में आगेरा करेगा।

विणा सूचक

14 अधिनियम 12 में निर्दिष्ट मंकेनों को प्रतिक्रिया या वैश्वर्यक्रियाओं द्वारा सखल भी दिया जा सकता।

यात्रों को पार्क करना

15 (1) योटर्यान का प्रत्येक चालक निम्नी मढ़क पर यात्रा को पार्क करते समय ऐसी रीति से पार्क करेगा कि उसमें सड़क के अन्य उपयोग कर्ताओं को कोई खराब और रोत्र या अपराध अभूतिया नहीं होती है या होने की संभावना नहीं है और यदि पार्क करने की रीति किसी मंकेन द्वारा या सड़क के किनारे चिह्नित द्वारा उदायित की गई है तो उह अपने यात्रा को उसी रीति से पार्क करेगा।

(2) योटर्यान का कोई चालक अपने यात्रा को नियन्त्रित स्थान पर पार्क नहीं करेगा।

- (1) किसी सड़क चौराहे, मोड़, पहाड़ी के शीर्ष या उभरे पुल पर या उसके निकट,
- (2) पैशल शास्त्र पर;
- (3) यानायात्र प्रकाश या पैशल-पार-पथ के निकट;
- (4) मुख्य सड़क में या किसी सड़क पर त्रिप पर तीव्र गति यातायात चलना है;
- (5) अन्य छड़े वाहन के सामने या अन्य वाहन की बाधा के रूप में;
- (6) अन्य छड़े वाहन के बगान में;
- (7) किसी सड़कों पर या सड़कों के ऐसे स्थानों पर जहाँ अंचित रेखा सहित या उसके बिना निरंतर छेने रेखा है;
- (8) बस प्रहृष्ट, विद्यालय या अप्पानाम के प्रवेश के निकट या ऐसे स्थान पर जहाँ यातायात गंतव्य या परिसरों या बंधों के प्रवेश में बाधा पहुंचती हो;
- (9) सड़क की गजन और;
- (10) जहाँ बड़ा करने का प्रतियोगी है;
- (11) पैदल पथ के किनारे से दूर।

दौलों और रजिस्ट्रीकरण चिन्हों की दुर्घटना

16. (1) किसी योटर्यान पर कोई भाग या अन्य माल इस प्रकार जिसमें कि वह अधिनियम द्वारा या उसके अधीन निम्नी मोटर्यान पर अन्तर्भूत किए जाने वाले या प्रदर्शित किए जाने वाले अपेक्षित चिन्ही दीप, रजिस्ट्रीकरण चिन्ह या अन्य चिन्ह यों इकता है या उसकी दुर्घटना में अन्यथा अवधारण भालनी है तब तक नहीं यह जाणा जाएगा जब तक कि इस प्रकार कोई या अन्यथा अपराध दीप या चिन्ह के स्थान पर अतिरिक्त दीप और चिन्ह अपेक्षित रूप में ऐसे हों या अपराध दीप या चिन्ह के प्रदर्शन के अविनियम द्वारा या उसके अधीन अपेक्षित रूप में प्रदर्शित नहीं किया गया है।

(2) अधिनियम द्वारा या उसके अधीन मोटर्यान पर प्रदर्शित किए जाने के लिए अपेक्षित गर्मी रजिस्ट्रीकरण और प्रत्येक चिन्ह मर्मी बन्ध पर स्वच्छ और सुषाद्य दिशि में रखे जायेंगे।

प्रकरणका यातायात

17. कोई भी चालक-

- (1) किसी ऐसी सड़क पर जो 'प्रकरण' अधिकार की गई है, मंकेन बोहं बाहर विनियित दिशा में श्री मोटर्यान चकाएगा यातायात नहीं।
- (2) किसी सड़क पर जो 'प्रकरण' अधिकार की गई है, पीछे की दिशा में या नहीं चकाएगा।

गरुणित मटक पर चालन (गरी यातायात)

18 (1) जहाँ किसी मटक पर यातायात के चकने के लिए गतियां अंकित की गई हैं उहाँ दिसी मोटर्यान का चालक यात्री के भीनेर यात्रा चालित करेगा और यात्री को, मनुचित मंकेन देने के पक्कात् ही, पर्यावरण करेगा।

(2) जहाँ किसी मटक को पीछी यात्री विभाजन मटक द्वारा विनियित किया गया है वहाँ एक ही दिशा में आगे बढ़ते जाने यात्र, जो एक-दूसरे से आगे निकलने का प्रयत्न कर रहे हैं, पीछी रेखा की पार नहीं पहुंचे।

मटक पृष्ठ पर रहने का मंकेन

19 (1) जहाँ मटकों के मिलने वाले स्थान पर या पैदल-पार पथ की पृष्ठ पर या अन्यथा मटक के पृष्ठ पर कोई रेखा अंकित है या अधिकार है, वहाँ कोई चालक किसी मोटर्यान को ऐसे चालित नहीं करेगा किसमें कि उसका कोई भाग, किसी ऐसे ममय पर जब उसने जो कोई मंकेन किसी पूर्णिम अधिकारी द्वारा या यानायात नियंत्रण दीप के माध्यम द्वारा या किसी यानायात चिन्ह के प्रदर्शन द्वारा दिया जा रहा हो, उन रेखा ने आगे निकला हुआ हो।

(2) इन विनियम के प्रयोजनों के लिए किसी रेखा का कोई भाग 50 किमी/घण्टा में कम जांड़ा नहीं होगा और वह या तो ज्वेत या ग्राम या पीली तो गर्जी।

अनुकरणी

20 (1) यांत्रिक रूप से आगत मोटर्यान या अपूर्ण रूप से मन्त्रित मोटर्यान, किसी रजिस्ट्रीकरण द्वेष्ट या माइड-गार में मिश्र कोई यात्र, किसी मोटर्यान द्वारा प्रदाय के प्रयोजनों के लिए और लिफ्टनम अप्पन-ट्रैन या गैरेज लैट, कांपित किए जाने के मिलाएं, गर्जित या अनुकरित नहीं किया जाएगा।

(2) कोई मोटर्यान किसी वन्य मोटर्यान द्वारा तब तक कर्तित या अनुकरित नहीं किया जाएगा जब तक कि करित या अनुकरित किए जाने वाले मोटर्यान के चालक की सीट पर, यात्रज्ञान के लिए उसे प्रभिकृत रखने वाली अनश्वरीन वायन जाना कोई अंकित नहीं है या जब तक कि अनश्वरीत किए जाने वाले मोटर्यान को मिट्टीरिया लैंगी मोटर्यान पर, जो उसे कर्तव्य या अनुकरित कर रहा है, फ्रें या अन्य युक्ति द्वारा मटक-पृष्ठ के ऊपर इडनायांक या गुरुदिन रूप से आवश्यक नहीं है।

(3) जब कोई मोटर्यान दिसी यात्रा मोटर्यान द्वारा अनुकरित किया जा रहा हो, तब यारे वाले यात्र के पिछले और पीछे वाले यात्र के गामने के भाग के ओर को मोटर द्वारी किसी भी समय पर 5 मीटर में अधिक नहीं होती। अनुकरणी रूपी या जैत हृषि प्रकार की शैंकी और अप्पन-ट्रैन किए जाने वाले मोटर्यानों में प्रश्नाधार या मास्टी शो और अनुकरित किए जाने वाले यात्र के पीछे 75 गिरी-मोटर में अन्यून ऊंचे, ये अप्पनों में घैंस खेत पुण्ड्राधार पर 'अनुकरित' शब्द स्पष्ट व्याप्ति प्रदर्शित किया जाएगा।

(4) कोई भी मंत्रयात्, जब वह द्रेसर या मोटरवाहक से विश्र कोई अन्य यान अनुचयित बार रहा हो, प्रति घंटा 25 किलोमीटर से अधिक गति पर चालन नहीं किया जाएगा।

हार्न का उपयोग और याति थ्रेन

21. किसी भी यान का चालक —

(i) अनोखायक रूप में या लगातार या जितना सुरक्षा को मूल्यित्वन करने के लिए आवश्यक है उससे अधिक हार्न नहीं बजाएगा।

(ii) याति थ्रेन में हार्न नहीं बजाएगा।

(iii) कट-पाउट का उपयोग नहीं करेगा जिससे निष्कामन रैम रक्कामक के माध्यम में अन्यथा छोड़ी जाती है;

(iv) ऐमा कोई मल्टी-टेन हार्न फिट नहीं करेगा या उपयोग नहीं करेगा जो फोर, लीडी, लैज या अफकारी छ्याल निकालना है;

(v) ऐमा कोई यान आगत नहीं करेगा जो, जब वह गति में हो, असम्यक ध्रुति निकालता हो—

(vi) किसी मफकर के साथ किसी यान का चालन नहीं करेगा जिससे भरकारी ध्रुति निकलती हो।

22. यानयात चिन्ह और यानयात पुलिस मोटर यान का चालक और भूत्व का उपयोग करने वाले प्रत्येक अन्य व्यक्ति :—

(क) यानयात के विनियमन के लिए सत्समय भारत-साधक किसी पुलिस अधिकारी या किसी प्राधिकारी अधिकारी व्यक्ति द्वारा, चाहे सकें द्वारा या अन्यथा, इष्ट गए प्रत्येक निवेश का पालन करेगा;

(ख) उसे याग और नोटिस पर या उसके उपर्याप्त किसी निदेश का किसी ऐसे प्राधिकारी द्वारा नियन्त या प्रचालित यानयात निन्ह या सकेन का, जो ऐसा करने के लिए सक्षम है, पालन करेगा;

(ग) ऐसे स्थान पर जहा एक मड़क दूसरे को काटती है, नियन्त स्वचालित सकेंतों, युक्तियों द्वारा उपदण्डित किसी निदेश का पालन करेगा।

23. सामने के यान गे दूरीकिसी मोटरयान का चालक जो किसी अन्य मोटरयान के पीछे चल रहा है, यदि सामने का यान अचानक धीमा हो जाए या रुक जाए तो टक्कर से बचने के लिए उस दूसरे यान में पर्याप्त दूरी पर रहेगा।

34. अचानक आरोध किसी यान का चालक तब तक आरोध नहीं होगाएगा जब तक कि सुरक्षा के कारणों से ऐसा करना आवश्यक नहीं है।

25. पहाड़ पर चढ़ने वाले यानों को पूर्विकता देना पहाड़ी सड़कों पर और छपुआं सड़कों पर, पहाड़ी से नीचे की ओर यात्रा करने वाले मोटरयान का चालक पहाड़ी पर ऊपर जाने वाले यान को यहाँ पूर्विकता देगा जहाँ भी मड़क खनरे के बिना नियन्त रूप से प्रत्येक यान को एक-दूसरे से आगे निकलने वेने के लिए पर्याप्त रूप से छोड़ी नहीं है और पहाड़ी पर ऊपर जाने वाले किसी यान को आगे निकालने वेने के लिए सड़क के किनारे यान को रोकेगा।

26. चालक को आगे मोटरयान का कोई चालक ऐसी रीति में या ऐसे स्थान पर किसी अवित को छड़े होने या बैठने या किसी थीज को रखे जाने को अनुमा नहीं देगा जिससे यान के नियन्त्रण पर उसे वाधा होती हो।

27. गति पर निर्बंधन किसी मोटरयान का चालक किसी जुलूस या पैदल जाती हुई फौज या पुलिस दल के आगे निकलते समय या उसके बराबर चलते समय या सड़क के सरम्मत करते हुए कर्मगारों के आगे निकलते समय यान को अधिक से अधिक 25 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चलाएगा।

28. ट्रैक्टरों और माल बाहनों का चालन कोई चालक, जब वह ट्रैक्टर छला रहा है, ट्रैक्टर पर किसी व्यक्ति का बहन नहीं करेगा या वहन किए जाने की अनुमा नहीं देगा। माल का बाहन का कोई चालक, टालक के किनारे में उससे अधिक संभवा में व्यक्तियों का बहन नहीं करेगा जो रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में वर्णित है और यात्रियों को भाड़े या पारितोषिक के लिए वहन नहीं करेगा।

29. भार का बाहर निकलना (1) कोई व्यक्ति किसी सर्वेजनि क स्थान में ऐसा कोई सोटरयान नहीं चलाएगा जो ऐसी रीति से भारित है जिससे किसी व्यक्ति को अनरा होने की संभावना है या वेनी रीति से भारित है कि भार या उसका कोई भाग या कोई थीज पार्श्व में बाढ़ी के बाहर या आगे या पीछे या ऊंचाई में, अनुज्ञेय सीमा से परे निकला है।

30. खतरनाक पदार्थों के बहन पर निर्बंध यान के उपयोग के लिए आवश्यक हृष्ण और स्लेहरों के सिवाय कोई विस्फोटक, उच्च उत्तरांशील या अन्यथा खतरनाक पदार्थ विसी लोक सेवा यान पर बहन नहीं किया जाएगा।

31. पांछे की ओर चालन पर निर्बंध किसी मोटरयान का कोई चालक किसी मोटरयान को, जब तक कि प्रथमत उसका यह समाधान नहीं जाए, कि उसके द्वारा बहु किसी अवित को या किसी परिस्थितियों में कोई खतरा या असम्यक अनुचया कारित नहीं करेगा, उससे अधिक दूरी तक या कालावधि तक, जो यान को बुझाने के लिए युक्तिपूर्ण रूप से आवश्यक है, पांछे की ओर चालित नहीं करेगा।

इस्नावेजों का प्रस्तुत किया जाना

32. यान को चलाने वाला कोई अवित,—

(i) अपने साथ अपनी चालन अनुपाति; रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र; कराधान प्रमाणपत्र और यान के भीमे का प्रमाणपत्र और परिश्रृङ्खल यान के मामले में अनुज्ञित और उपयुक्त प्रमाणपत्र भी सर्वदा रखेगा;

(ii) वर्दीधारी पुलिस अधिकारी द्वारा या मोटरयान विभाग के वर्दीधारी किसी अधिकारी द्वारा या भरकार द्वारा प्रधिकृत किसी अस्य अधिकारी द्वारा मांग किए जाने पर, इस्नावेजों को निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा।

33. प्रत्येक चालक को मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 112, 113, 121, 122, 125, 132, 134, 185, 186, 194 और 207 के उपर्याप्तों के बारे में पर्याप्त होता चाहिए।

[फा. सं. आर. दी - 11014/3/89-टी.ए.जी.]

S.O. 439(E).—In exercise of the powers conferred by section 118 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following regulations for the driving of motor vehicles, namely :

Short title and commencement

1. (1) These regulations may be called the Rules of the Road Regulations 1989.

(2) They shall come into force on the first day of July, 1989.

Keep left

2. The driver of a motor vehicle shall drive the vehicle as close to the left hand side of the road as may be expedient and shall allow all traffic which is proceeding in the opposite direction to pass him on his right hand side.

Turning to Left and right

3. The driver of a motor vehicle shall :

- (a) when turning to the left, drive as close as may be to the left hand side of the road from which he is making the turn and of the road which he is entering;
- (b) when turning to the right draw as near as may be to the centre of the road along which he is travelling and arrive as near pass may be at the left hand side of the road which the driver is entering.

Passing to right

4. Except as provided in regulation 4, the driver of a motor vehicle shall pass to the right of all traffic proceeding in the same direction as himself.

Passing to the left

5. The driver of a motor vehicle may pass to the left of a vehicle the driver of which having indicated an intention to turn to the right has drawn to the centre of the road and may pass on either side, a tram car or other vehicle running on fixed rails whether travelling in the same direction as himself or otherwise provided that in no case shall be pass a tram car at a time or in a manner likely to cause danger or inconvenience to other users of the road including persons leaving or about to enter tram cars.

Overtaking prohibited in certain cases.

6. The driver of a motor vehicle shall not pass a vehicle travelling in the same direction as himself :

- (a) if his passing is likely to cause inconvenience or danger to other traffic proceeding in any direction,
- (b) if he is near a point, a bend of corner or a hill or other obstruction of any kind that renders the road ahead not clearly visible,
- (c) if he knows that the driver who is following him has began to overtake him,
- (d) if the driver ahead of him has not signalled that he may be overtaken.

Overtaking not to be obstructed

7. The driver of a motor vehicles shall not, when being overtaken or being passed by another vehicle, increase speed or do anything in any way to prevent the other vehicle from passing him.

Caution at road junction

8. The driver of a motor vehicle shall slow down when approaching a road intersection, a road junction, pedestrian crossing or a road corner, and shall not enter any such intersection, junction or crossing until he has become aware that he may do so without endangering the safety of persons thereon.

Giving way to traffic at road junction

9. The driver of a motor vehicle shall, on entering a road intersection, at which traffic is not being regulated, if the road entered is a main road designated as such, give way to the vehicles proceeding along that road, and in any other case give way to all traffic approaching the intersection on his right hand.

Fire service vehicles and ambulance to be given free passage

10. Every driver shall, on the approach of a fire service vehicle, or of an Ambulance allow it free passage by drawing to the side of the road.

Right of Way

11. The pedestrians have the right of way at uncontrollable pedestrian crossings. When any road is provided with footpath or cycle tracks specially for other traffic, except with permission of a police officer in uniform, a driver shall not drive on such footpath or track.

Taking 'U' turn

12. No driver shall take a 'U' turn where 'U' turn is specially prohibited and on busy traffic road. If a 'U' turn is allowed the driver shall show signal by hand as for a right turn, watch in the rear view mirror and turn when safe to do so.

Signals to be given by drivers

13. The following signals shall be used by the drivers of all motors vehicles namely :—

- (a) When about to slow down, a driver shall extend his right arm with the palm downward and to the right of the vehicle and shall move the arm so extended up and down several times in such a manner that the signal can be seen by the driver of any vehicle which may be behind him.
- (b) When about to stop, a driver shall raise his right forearm vertically outside of and to the right of the vehicle, palm to the front.
- (c) When about to turn to the right or to drive to the right hand side of the road in order to pass another vehicle or for any other purpose, a driver shall extend his right arm in a horizontal position outside of and to the right of his vehicle with the palm of the hand turned to the front.
- (d) When about to turn to the left or to drive to the left hand side of the road, a driver shall extend high right arm and rotate it in an anticlockwise direction.
- (e) When a driver wishes to indicate to the driver of vehicle behind him that he desires that driver to overtake him he shall extend his right arm and hand horizontally outside of and to the right of the vehicle and shall swing the arm backward and forward in a semi-circular motion.

Direction indicators

14. The signals referred to in regulation 12, may be simplified also by mechanically or electrical devices.

Parking of the vehicle

15. (1) Every driver of a motor vehicle parking on any road shall park in such a way that it does not cause or is not likely to cause danger, obstruction or undue inconvenience to other road users and if the manner of parking is indicated by any sign board or markings in the road side, he shall park his vehicle in such manner.

- (2) a driver of a motor vehicle shall not park his vehicle:
 - (i) at or near a road crossing, a bend, top of a hill or a humpbacked bridge;
 - (ii) on a foot-path;
 - (iii) near a traffic light or pedestrian crossing;
 - (iv) in a main road or one carrying fast traffic;
 - (v) opposite another parked vehicle or as obstruction to other vehicle;
 - (vi) along side another parked vehicle;
 - (vii) on roads or at places on roads where there is a continuous white line with or without a broken line;

- (viii) near a bus stop, school or hospital entrance or blocking a traffic sign or entrance to a premises or a fire hydrant;
- (ix) on the wrong side of the road;
- (x) where parking is prohibited;
- (xi) away from the edge of the foot path;

Visibility of lamps and registration marks

16. (1) No load or other goods shall be placed on any motor vehicle so as to mask or otherwise interrupt vision of any lamp, registration mark or other mark required to be carried by or exhibited on any motor vehicle by or under the Act, unless a duplicate of the lamp or mark so marked or otherwise obscured is exhibited in the manner required by or under the Act for the exhibition of the marked or obscured lamp or mark.

(2) All registration and other marks required to be exhibited on a motor vehicle by or under the Act shall at all times be maintained in a clear and legible condition.

One way traffic

17. A driver shall not—

- (i) drive a motor vehicle on roads declared, 'One Way' except in the direction specified by sign boards.
- (ii) drive a vehicle in a reverse direction into a road designed 'One way'.

Driving on channelised roads (lane traffic).

18. (1) Where any road is marked by lanes for movement of traffic, the driver of a motor vehicle shall drive within the lane and change the lane only after giving proper signal.

(2) Where any road is marked by a yellow-line dividing road, the vehicle proceeding in the same direction trying to over-take each other shall not cross the yellow line.

Stop sign on road surface

19. (1) When any line is painted on or inlaid into the surface of any road at the approach to the road junction or to a pedestrian crossing or otherwise, no driver shall drive a motor vehicle so that any part thereof projects beyond that line at any time when a signal to stop is being given by a police officer or by means of a traffic control lights or by the display of any traffic sign.

(2) A line for the purpose of this regulation shall be not less than 50 millimetres in width at any part and may be either in white, black or yellow.

Towing

20. (1) No vehicle other than a mechanically disabled motor vehicle or incompletely assembled motor vehicle, a registered trailer or a side car, shall be drawn or towed by any motor vehicle, except for purposes of delivery and to the nearest filling station or garage.

(2) No motor vehicle shall be drawn or towed by any other motor vehicle unless there is in the driver's seat of the motor vehicle being drawn or towed a person holding a licence authorising him to drive the vehicle or unless the steering wheels of the motor vehicle being towed, are firmly and securely supported clear of the road surface by some crane or other device on the vehicle which is drawing or towing it.

(3) When a motor vehicle is being towed by another motor vehicle the clear distance between the rear of the front vehicle and the front of the rear vehicle shall at no time exceed five meters, the tow ropes, or chains shall be of a type

easily distinguishable by other road users and there shall be clearly displayed on the rear of the vehicle being towed in black letters not less than seventy five millimeters high and on a white black ground the words 'ON TOW'.

(4) No motor vehicles when towing another vehicle other than a trailer or side car shall be driven at a speed exceeding twenty-four kilometers per hour.

Use of horns and Silence Zones

21. A driver of a vehicle shall not (i) sound the horn needlessly or continuously or more than necessary to ensure safety;

- (ii) sound the horn in silence zones;
- (iii) make use of a cut-out by which exhaust gases are released other than through the silencer;
- (iv) fit or use any multitonned horn giving an harsh, shrill, loud or alarming noise;
- (v) drive a vehicle creating undue noise when in motion;
- (vi) drive a vehicle with a muffler causing alarming sound.

Traffic sign and Traffic Police

22. A driver of a motor vehicle and every other person using the road shall obey:—

- (a) every direction given, whether by signal or otherwise, by a police officer or any authorised person for the time being in-charge of the regulation of traffic;
- (b) any direction applicable to him and indicated on or by notice, traffic sign or signal fixed or operated by an authority, competent to do so;
- (c) any direction indicated by automatic signalling devices fixed at road intersections.

Distance from vehicles in front

23. The driver of a motor vehicle moving behind another vehicle shall keep at a sufficient distance from that other vehicle to avoid collision if the vehicle in front should suddenly slow down or stop.

Abrupt brake

24. No driver of a vehicle shall apply brake abruptly unless it is necessary to do so for safety reasons.

Vehicles going uphill to be given precedence

25. On mountain roads and steep roads, the driver of a motor vehicle travelling down hill shall give precedence to a vehicle going up-hill wherever the road is not sufficiently wide to allow the vehicles to pass each other freely without danger, and stop the vehicle to the side of the road in order to allow any vehicle proceeding uphill to pass.

Obstruction of Driver

26. A driver of a motor vehicle shall not allow any person to stand or sit or any thing to be placed in such a manner or position as to hamper his control of the vehicle.

Speed to be restricted

27. The driver of a motor vehicle shall, when passing or meeting a procession or a body of troops or police on the march or when passing workmen engaged on road repair, drive at a speed not exceeding than 25 kilometres an hour.

Driving of tractors and goods vehicles

28. A driver when driving a tractor shall not carry or allow any person to be carried on tractor. A driver of goods carriage shall not carry in the driver's cabin more number of persons than that it mentioned in the registration certificate and shall not carry passengers for hire or reward.

Projection of loads

29. No person shall drive in any public place any motor vehicle which is loaded in a manner likely to cause danger to any person or in such a manner that the load or any part thereof or anything extends laterally beyond the side of the body or to the front or to rear or in height beyond the permissible limit.

Restriction to carriage of dangerous substances

30. Except for the fuel and lubricants necessary for the use of the vehicle, no explosive, highly inflammable or otherwise dangerous substance, shall be carried on any public service vehicle.

Restriction on driving backwards

31. No driver of a motor vehicle shall cause the vehicle to be driven backwards without first satisfying himself that he will not thereby cause danger of undue inconvenience to any person or in any circumstances, for any greater distance or period of time than may be reasonably necessary in order to turn the vehicle round.

Production of documents

32. A person driving a vehicle,—(i) shall always carry with him his driving licence; certificate of registration; certificate of taxation and certificate of insurance of the vehicle and in case of transport vehicle the permit and fitness certificate, also;

(ii) shall on demand by police officer in uniform or an officer of the Motor Vehicle Department in uniform or any other officer authorised by the Government, produce the documents for inspection.

33. Every driver must be conversant with the provisions of sections 112, 113, 121, 122, 125, 132, 134, 185, 186, 194 and 207 of the Motor Vehicles Act, 1988.

[File No. RT-11014/3/89-TAG]

का.प्रा. 440(अ) :—केन्द्रीय सरकार, मोटरवाहन अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 163 की उपचारा (1) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करने हुए, टक्कर सारकर भागने संबंधी मोटर दूर्घटना से पार्सिंस के लिए प्रतिकर का संवाद करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाता है, प्रति—

1. संधिन नाम और प्राप्ति—(1) इस स्कीम का नाम ताप्त रूपम्, 1989 है।

(2) यह 1 जुलाई, 1989 का प्रयोग होता।

2. परिसाधारण—इस स्कीम में, जब तक कि गंदर्भ में अर्थया प्रविधिन न हो,

(i) "अधिनियम" भे मोटरवाहन अधिनियम 1988 (1988 का 59) अधिनेत्र है;

(ii) "दावा जाच अधिकारी" में अनिवेत है। राज्य के प्रत्येक राजस्व जिले में राजस्व डाउन या नान्का वा भारतप्रधान उप-मुख्य अधिकारी शार्मीलदार, या जोई अन्य अधिकारी या उप-मुख्य अधिकारी या नहरीलदार को पर्याप्त से अन्यत ऐसा अन्य अधिकारी जो राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाए;

- (ग) दावा परिवहन आयुक्त" से अधिनेत्र है जिला मजिस्ट्रेट, उपायुक्त, कलेक्टर या राज्य में राजस्व जिला का भारतसाधक कोई अन्य अधिकारी जो राज्य सरकार द्वारा इस स्थान में नियुक्त किया जाए;
- (घ) "खंड" से इस स्कीम का खंड अधिनेत्र है;
- (इ) "जिला स्तर समिति" से खंड 11 के अधीन गठित समिति अधिनेत्र है;
- (ज) "प्रवृत्त" में इस स्कीम से उपायुक्त प्रवृत्त अधिनेत्र है;
- (झ) "स्थाई समिति" से खंड 3 के अधीन गठित समिति अधिनेत्र है;
- (ज) "परिवहन आयुक्त" से राज्य सरकार द्वारा इस स्थान में नियुक्त कोई अधिकारी अधिनेत्र है और इसके अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा नियुक्त परिवहन महानिदेशक, परिवहन निदेशक या परिवहन नियंत्रक भी है।

3. स्थाई समिति

(1) एक स्थाई समिति होगी जो निम्नलिखित सदस्यों से मिलकर बनेगी, अधिकारी—

(क) संयुक्त सचिव (परिवहन)	—अध्यक्ष
(ख) संयुक्त सचिव (बीमा)	—सदस्य
(ग) महाप्रबंधक, साधारण बीमा नियम	—सदस्य
(घ) भारत में नव्यम साधारण बीमा कारबार कर रहे प्रत्येक बीमा कंपनियों के महाप्रबंधक	—सदस्य
(ङ) तीन राज्यों में से प्रत्येक के परिवहन आयुक्त जो बैन्ड्रीय सरकार द्वारा अकान्त्रमें नाम निर्विष्ट किए जाए	—सदस्य
(ज) निर्देशक/उपराजित (वित्त प्रभाग), जल भूतल परिवहन मानालय	—सदस्य
(झ) उपमंडलांगन (नेपाल) जो पर्याप्त का साधारण बीमा नियम का एक अधिकारी	सदस्य सचिव।

(2) पद के अतिरिक्त यह सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट बोर्ड व्यवस्था इस समय समस्य नहीं रहे जाएगा अब उनको यह पद धारण करना समाप्त हो जाता है।

(३) खंड (1) के उपर्युक्त (ङ) के अधीन नामनिर्दिष्ट सदस्यों का पदावधि एक वर्ष तक होगी।

4. स्थाई गमित के सदस्यों का पारिश्रमिक—किसी सदस्य को, अनुबंध वर्ग पर याकां और दैनिक भत्ता के सिवाय, जो उस सांत में संदर्भ किया जाएगा जिसमें वह केवल आहूति करना है, कोई पारिश्रमिक संदर्भ नहीं किया जाएगा।

5. स्थाई समिति की शासितगां श्रोत इन्वेन्ट्री—स्थाई समिति,

- (i) स्कीम के कायेकरण और उसके कायान्वयन का कालिक रूप में पुनर्विलोकन करेंगी जब भी आवश्यक हो सुधारात्मक कदम का निर्देश देंगी;
- (ii) किना राज्य समिति की रिपोर्ट में उठाए गए प्रश्नों पर विचार करेंगी और जहां अर्पणित हो, मार्गनिर्देश या निर्देश देंगी;
- (iii) स्थाई समिति और जिला स्तर समिति के कारबार के संचालन के लिए विनियम बिरचित करेंगी।

6. स्थाई गमित का अधिवेशन—स्थाई समिति ऐसे समय, तारीख और ऐसे स्थान पर अपना अधिवेशन करेंगी जो अध्यक्ष समयसमय पर इस निमित्त नियत करे :

परम्पुरा समिति एक बर्ष में कम से कम दो बार अधिवेशन करेगी।

7. गणपूर्ति:—गणपूर्ति कम से कम दोनों सदस्यों से होगी:

परन्तु यदि किसी अधिवेशन में गणपूर्ति नहीं होती है तो अध्यक्ष अधिवेशन के बाद के मात्र विनों में अन्तन की किसी सारीख के लिए स्थगित कर देगा और उपस्थित सदस्यों को यह जानकारी देगा और अन्य सदस्यों को सूचना भेजेगा कि उमका स्थगित बैठक पर कारबाहर को निपटाने का प्रस्ताव है चाहे गणपूर्ति होती है या नहीं, और उसके पश्चात् वह ऐसी स्थगित बैठक में कारबाहर को निपटा सकेगा।

8. बहुमत द्वारा विनिश्चय:—प्रत्येक बात का अवधारण उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के मतों के बाहुल्य से किया जाएगा और मतों के बराबर होने वाले अध्यक्ष का निणियक मत होगा।

9. अधिवेशन की सूचना:—(1) सदस्य सचिव प्रत्येक अधिवेशन के कम से कम पद्धति विन पूर्व ऐसे प्रत्येक अधिवेशन के लिए नियत समय, तारीख और स्थान की सूचना प्रत्येक सदस्य को देगा और प्रत्येक सदस्य को उक्त अधिवेशन में निपटाएं जाने वाले कारबाहर की सूची भेजी जाएगी।

परन्तु जहां अध्यक्ष द्वारा कोई अर्जेन्ट अधिवेशन बुलाया जाता है वहां ऐसी सूचना आवश्यक नहीं होगी। किन्तु सदस्य सचिव ऐसे प्रत्येक सदस्य को एक संसूचना भेजेगा।

(2) अध्यक्ष की अनुज्ञा के बिना ऐसे किसी कारबाहर पर जो कारबाहर की सूची में नहीं है, विभार नहीं किया जाएगा।

10. अधिवेशन का कार्यवृत्त:—स्थाई समिति के प्रत्येक अधिवेशन की कारबाही सभी सदस्यों में परिचालित की जाएगी और तत्पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तिका में अभिलिखित की जाएगी जो स्थाई अभिलेख के रूप में रखी जाएगी। प्रत्येक अधिवेशन की कार्यबाहियों के अभिलेख पर अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा।

11. जिला स्तर समिति:—(1) प्रत्येक जिले में एक जिला स्तर समिति होगी जो निम्नलिखित मरम्यों से भिन्न कर देगी, अर्थात्:—

(क) दाना परिनिर्धारण आयुक्त —अध्यक्ष

(ख) राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट वावा जांच अधिकारी —सदस्य

(ग) अंतर्राष्ट्रीय परिवहन अधिकारी या गोटर्डान विभाग का कोई अन्य अधिकारी जो राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाए —सदस्य

(घ) जनता वा या सड़क मुरक्का पहुँचों से संबंधित किसी स्थानिक संगठन का कोई सदस्य जो, अध्यक्ष द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाए —सदस्य

(ङ) बीमा कंपनी का मंडल प्रबन्धक —सदस्य सचिव

(2) पद के आधार पर सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट कोई व्यक्ति उस समय सदस्य नहीं रह जाएगा जब उसका वह पद धारण करना समाप्त हो जाता है।

(3) उपचाह (ख), (म), (ष) के अधीन नामनिर्दिष्ट अधिकारी की पदाधिक एक वर्ष होगी।

12. जिला स्तर समिति के सदस्यों का पारिश्रमिक:—किसी सदस्य को उसके अपने विभाग में उसे प्रत्येक दर पर यात्रा और दैनिक भत्ते के विवाय गोइस छोट से संदर्भ किया जाएगा जिसमें वह वेतन आहरित करता है जो कोई पारिश्रमिक संदर्भ नहीं किया जाएगा। खण्ड (ख) के अधीन नामनिर्दिष्ट सदस्य को वावा भत्ता और महगाई भत्ता साधारण बीमा निगम द्वारा संदर्भ किया जाएगा जो उस दर पर होगा जो साधारण बीमा निगम द्वारा विनिश्चित किया जाए।

13. जिला स्तर समिति की शक्तियां और कृत्य:—जिला स्तर समिति, जिला स्तर पर स्कीम के कार्यान्वयन से संबंधित सभी कृत्य करेगी। यह निम्नलिखित कृत्य भी करेगी:—

(i) संबंधित जिले में स्कीम के कार्यान्वयन की प्रगति का मूल्यांकन और जहां आवश्यक हो, मुद्रागमक कदम उठाना;

(ii) स्थाई समिति को त्रैमासिक आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना। इस रिपोर्ट के अन्तर्गत अन्य बातों के साथ प्राप्त किए गए वावा आवेदन, अधिनिर्णय, लंबित आवेदन और संबंधित होने के कारणों के आकड़े होंगे;

(iii) जिले के अन्य प्राधिकारियों के साथ निकट संपर्क रखना जिससे कि यह सुनिश्चित हो राके कि स्कीम को पर्याप्त प्रचार मिलता है;

(iv) जहां आवश्यक है, संबंधित प्राधिकारियों को मार्गनिर्देश, स्पष्टीकरण प्रश्न करना।

14. जिला स्तर समिति का अधिवेशन:—जिला स्तर समिति संबंधित जिले के भीतर ही ऐसे समय, तारीख और ऐसे स्थान पर अधिवेशन करेगा जो अध्यक्ष समय-समय पर इस निमित्त नियत करें।

परन्तु समिति प्रत्येक त्रैमास में कम से कम एक बार अधिवेशन करेगी।

15. गणपूर्ति:—गणपूर्ति कम से कम दो सदस्यों से होगी।

16. बहुमत द्वारा विनिश्चय:—प्रत्येक बात का अवधारण उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के मत के बहुमत द्वारा किया जाएगा। मत के बराबर होने वाले में अध्यक्ष का निणियक मत होगा।

17. अधिवेशन की सूचना:—(1) सदस्य सचिव अधिवेशन के नियत समय, तारीख और स्थान की सूचना ऐसे अधिवेशन के कम से कम सात दिन पूर्व प्रत्येक सदस्य को देगा और प्रत्येक सदस्य को उस अधिवेशन में निपटाएं जाने वाले कारबाहर की सूची भी जाएगी।

परन्तु जब अध्यक्ष द्वारा अर्जेन्ट अधिवेशन बुलाया जाता है तो ऐसी सूचना आवश्यक नहीं होगी। किन्तु सदस्य सचिव प्रत्येक सदस्य को एक संसूचना भेजेगा।

(2) अध्यक्ष की अनुज्ञा के बिना आधिवेशन में ऐसे किसी कारबाहर पर जो कारबाहर की सूची में नहीं है, विचार नहीं किया जाएगा।

18. अधिवेशन का कार्यवृत्त:—जिला स्तर समिति के लिए अधिवेशन की कारबाही सभी सदस्यों में परिचालित की जाएगी और तत्पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तिका में अभिलिखित की जाएगी जो स्थाई अभिलेख के रूप में रखी जाएगी। प्रत्येक अधिवेशन की कारबाही के अभिलेख पर अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा।

19. बीमा कंपनी का नामनिर्दिष्ट—साधारण बीमा निगम प्रत्येक जिले में अपने किसी कार्यालय का बीमा कंपनी को अधिनियम की धारा 161 के अधीन और इस स्वीम के अधीन वावा का परिनिर्धारण करने के लिए नामनिर्दिष्ट करेगा।

20. वावा आवेदन करने के लिए प्रक्रिया—(1) आवेदन उस उपचाह वा नालाक के जिसमें दुर्घटना हुई है, वावा जांच अधिकारी को इस स्कीम के अधीन प्रतिकर की माय करते हुए प्रलूप I में आवेदन, प्रलूप II में सच्चक रूप से भरी गई उम्मोदन रसीद और प्रलूप IV में धननबंध के माय देगा।

(2) खंड (1) के अधीन कोई प्रावदन दुर्घटना की सारीख से इह मास की अवधि के भीतर किया जाएगा।

परन्तु दुर्घटना की सारीख से इह मास के पश्चात् किन्तु आरह मास के अपनात् किया गया आवेदन वावा जांच अधिकारी द्वारा शृण किया जा सकेगा यदि उसका समाधान हो जाए कि विस्तार की माफी के लिए युक्तिपूर्त आवार है।

(3) जहाँ दावा जांच अधिकारी आवेदक द्वारा लिए गए प्राप्तारों का स्वीकार नहीं करता है वहाँ वह सकारण आवेदन अधिनियमित करेगा और दावा आवेदन को अस्वीकार किए जाने के लिए कारणों को आवेदक को समृद्धित करेगा।

21. दावा जांच अधिकारी द्वारा अनुमति की जाने वाली प्रक्रिया:

(1) दावा आवेदन की प्राप्ति पर दावा जांच अधिकारी, यथास्थिति संबंधित प्राधिकारी से प्रथम इतिलाई रिपोर्ट, मुख्य समीक्षा रिपोर्ट, शब्द परीक्षा रिपोर्ट या क्षति प्रमाणणक की प्रति तुरन्त अभिप्राप्त करेगा और टक्कर मार कर भागने से संबंधित मोटर दुर्घटना से उद्भूत दावों के बारे में जांच करेगा।

(2) दावा जांच अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि—

- (क) जहाँ दो से अधिक दावेदार हैं वहाँ यह विनिश्चित करे कि कोइं सही दावेदार है;
- (ख) याकेशन की प्राप्ति की सारीख से यथासंभव शीघ्र और किसी भी दशा में एक मास की कालावधि के भीतर अपने स्वयं की सिवारिण के साथ, प्रलेप II में सम्यक् उन्मोजन रसीद और प्रलेप में व्यवनवय के सहित प्रलेप III में रिपोर्ट पेश करेगा।

(3) जहाँ दावा परिनिर्धारण आयुक्त ने स्वंड 22 के उपर्युक्त (2) के अधीन आपों जांच करने के लिए दावा जांच अधिकारी को कोई रिपोर्ट भासिय की है वहाँ दावा जांच अधिकारी ऐसी अतिरिक्त जांच करेगा और आवश्यक हो और अकिञ्चन आवेदन के लिए पन्द्रह दिन के भीतर दावा परिनिर्धारण आयुक्त को पूँज़ी भेजेगा।

22. दावा की मंजूरी—दावा जांच अधिकारी की रिपोर्ट की प्राप्ति पर दावा परिनिर्धारण अधिकारी ऐसी रिपोर्ट की प्राप्ति की सारीख से पन्द्रह दिन से अनधिक कालावधि के भीतर यथासंभव शीघ्र दावा को मंजूर करेगा और प्रलेप II में सम्यक् उन्मोजन रसीद और प्रलेप में व्यवनवय के साथ प्रलेप IV में मंजूरी का आदेश, बीमा कंपनी के नामनिर्दिष्ट कार्यालय को संस्कृत करेगा जिसके साथ निम्नलिखित को एक प्रति होसी:—

- (क) दावा जांच अधिकारी,
- (ख) दावेदार,
- (ग) संबंधित मोटर दुर्घटना दावा प्राधिकरण,

(घ) सबंधित परिवहन आयुक्त, और

(ङ) सापारण बीमा निगम का मुख्यालय।

(2) जहाँ दावा परिनिर्धारण आयुक्त को दावा जांच अधिकारी द्वारा प्रमाणित रिपोर्ट के बारे में कोई संदेश नहीं कहा जाता तो विनिश्चित यात को दृग्गत करने हुए, जिस पर जांच की जानी आविष्ट, रिपोर्ट को द्वारे जांच करने के लिए दावा जांच अधिकारी द्वारा आगिस करेगा।

23. प्रतिकर का संदाय—(1) मृत्यु से उद्भूत दावों के मामले में संदाय, दावा जांच अधिकारी द्वारा यथा विनिश्चित, मुतक के विधिक प्रतिमिहियों को किया जाएगा।

(2) संभीर उपहति से उद्भूत दावों के मामले में संदाय क्षतिग्रस्त व्यक्ति को किया जाएगा।

(3) बीमा कंपनी का नामनिर्दिष्ट कार्यालय प्रलेप II में उन्मोजन रसीद और प्रलेप V में व्यवनवय के साथ प्रलेप IV में मंजूरी आवेदन की प्राप्ति पर तुरन्त दावेदार को संदाय करेगा और दावेदार को चैक, डिमाण्ड के द्वापर, रसीदी रजिस्ट्रीकूल आक से भेजेगा और साथ ही ऐसे अपनी संबंधित प्राधिकारियों को संभूतना भेजेगा जिनके लिए मंजूरी आदेश की प्रति पर पुष्टांकन किया गया है।

(4) बीमा कंपनी द्वारा दावेदार को संदाय उन्मोजन रसीद के साथ मंजूरी आदेश की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर किया जाएगा और जहाँ भी यिलंभ होता है वहाँ उसका कारण दावा परिनिर्धारण आयुक्त को स्पष्ट किए जाएंगे।

(5) चैक, डिमाण्ड द्वापर को इन्तिहिट करने वाले रजिस्ट्रीकूल पत्र, यादि दावेदार को परिवर्त किए जिनके वापिस आ जाते हैं तो उन्हें आप्त निदेश के लिए दावा परिनिर्धारण आयुक्त के समक्ष रखा जाएगा।

(6) बीमा कंपनी का नामनिर्दिष्ट कार्यालय दावा परिनिर्धारण आयुक्त को एक विवरण भेजेगा जिसमें मंजूरी आदेश की संख्या और तारीख, मंजूरी आदेश से प्राप्त होने की तारीख, किए गए संदाय, संदेश के लिए लंबित मंजूरी आदेश होते और उपकी प्रति दावा जांच अधिकारी और दावारण बीमा निगम मुख्यालय, मंबैर को भेजेगा।

24. वार्षिक रिपोर्ट—सापारण बीमा निगम रकीम के कार्यकरण पर एक वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा और इसकी समिति के समक्ष रखेगा और उसकी एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भी भेजेगा।

प्रगति ।

खंड 20(1)

तोपण निधि में से प्रतिवर्त के लिए आवेदन वा प्रस्तुप

मैं, _____, जो श्री _____ का पुत्र,
 (नाम)

की पुत्री/विधवा हूँ, और _____ (स्थान) का / की निवासी हूँ
 बोटर यान दुर्घटना में ओर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया हूँ, और मुझे हुई ओर क्षतियों के लिए प्रतिकर्ता के प्रतुशासन के लिए आवेदन करता हूँ। जो क्षतियाँ
 मुझे हुई हैं उसकी वापत आवश्यक विशिष्टियाँ नीचे दी गई हैं।

मैं _____, जो श्री _____ का पुत्र, की पुत्री.
 (नाम)

विधवा हूँ, और _____ (स्थान) का / की निवासी हूँ श्री/ /
 श्रीमती/कुमारी _____, जो _____ का पुत्र, की विधवा, पुत्री थी, जिसकी/
 जिसको तारीख _____ की _____ स्थान पर मर्त्य हुई थी / क्षतियाँ हुई थी, मृत्यु/क्षतियों
 के लिए प्रतिकर्ता के प्रतुदान के लिए विधिक प्रतिनिधि/प्रभिकर्ता के रूप में आवेदन करता हूँ। दुर्घटना की बाबत विशिष्टियाँ और मृत्यु जानकारी नीचे
 दी गई हैं।

1. क्षतिग्रस्त व्यक्ति का नाम और उसके पिता का नाम (विवाहित स्त्री या
 विधवा की बाबा में उसके पति का नाम):

2. क्षतिग्रस्त भूत व्यक्ति का पता :

3. मायु _____ जन्म की तारीख _____

4. क्षतिग्रस्त, मृत व्यक्ति पुरुष है या स्त्री:

5. दुर्घटना का स्थान, तारीख और समय:

6. क्षतिग्रस्त / मृत व्यक्ति की उपजीविका:

7. क्षतियों की प्रकृति:

8. जिस पुलिस थाने की अधिकारिता में दुर्घटना हुई थी या जिसमें दुर्घटना
 रजिस्टर कराई गई थी उसका नाम और पता:

9. जिस चिकित्सा अधिकारी / चिकित्सा व्यवसायी ने क्षतिग्रस्त, मृत व्यक्ति
 की देखभाल की थी उसका नाम और पता

10. दावेदार / दावेदारों ने नाम और पते:

11. मृत व्यक्ति के साथ नातेदारी:

12. कोई मृत्यु जानकारी जो दावे के परिनिर्धारण के लिए आवश्यक या
 महायक समझी जाए।

मैं शपथ लेता हूँ, और प्रतिक्षा करता हूँ कि ऊपर बताए गए सभी तथ्य मेरे मर्दोत्तम ज्ञान और विश्वास के प्रतुमार सही हैं।

दावेदार के हस्ताक्षर

प्रृष्ठ-II

(खंड 20(1))

उपाखंड—
मंजूरी प्राप्तेण सं
तारीख

उन्मोचन रसीद

मुझ मृतक व्यक्ति

(मृतक का नाम)

(दुर्घटना की तारीख)

को ————— पर हुई दुर्घटना के लिए मेरे दावे के पूर्ण और अधिक परिनिर्धारण स्वरूप मोटर यान
(स्थान का नाम)

अधिनियम के टक्कर मार कर भागते संबंधी उपर्योग के अधीन प्रतिकर के रूप में ————— बीमा कानी बिसिटेड में
इस संघर्षावाद प्राप्त हुए।

गाली:

फायदाप्राप्ति, अतिगत द्वारा
रजिस्ट्र स्टाम्प पर हस्ताक्षर

प्रृष्ठ-III

(खंड 21(2)(ब))

दावा जांच अधिकारी द्वारा दावा परिनिर्धारण आयूक्त को प्रस्तुत की जाने वाली दावा जांच रिपोर्ट

1. मूल / क्षतिग्रस्त व्यक्ति का नाम और पता :
2. दुर्घटना का स्थान, समय और तारीख;
3. जिम पुलिस याने में दुर्घटना रजिस्टर कराई गई थी उसकी विशिष्टियाँ;
4. जिम चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा व्यवसायी ने मृत्यु क्षतिग्रस्त व्यक्ति की परीक्षा की थी उसकी विशिष्टियाँ;
5. जिन व्यक्तियों को समन किया गया था और जिनकी परीक्षा की गई थी उनकी विशिष्टियाँ;
6. मारकर भागते संबंधी मोटर दुर्घटना द्वारा मर्यु अति का तत्पर्य मिल ही गया है या नहीं और ऐसा निष्कर्ष निकालने के कारण;
7. प्रतिकर के सदाय के लिए पात्र दावेदार या दावेदारों के नाम और पते;
8. प्रतिकर की रकम जिसकी दावेदार की संदाय फरने की मिकारिश की गई है (एक से अधिक दावेदारों की दशा में वह रकम बताई जाएगी जिसके लिए प्रत्येक दावेदार पात्र है और उसके कारण विनिर्दिष्ट किए जाएंगे।)
9. कोई अन्य जांचकारी या अन्य अधिकारी जो दावे का परिनिर्धारण करते के लिए मुर्मगत या उपयोगी हों।

मुद्रा :

तारीख:

दावा जांच अधिकारी के हस्ताक्षर
और पदान्वाप:

प्रकल्प 4

[बंड 22(1)]

ऋग सं.
परिनिर्धारण आयुक्त
जिला—

प्रावेश

मेरे ————— मारकर भागने संबंधी दुर्घटना के, जो ————— को
(सारोक्त)
पर हुई थी, परिणामस्वरूप ————— की मृत्यु,
(स्थान का नाम)।

को हुई ओर उपहृति की बाबत मृतक ————— के विधिक प्रति निधि के रूप में श्री, श्रीमती, कुमारी —————
को क्षतिप्रस्तु ————— को प्रतिकर के रूप में 8500 / 2000 (आठ हजार पाँच सौ रुपए / दो हजार रुपए) मंजूर
(क्षतिप्रस्तु का नाम)

करता हूँ।

परिनिर्धारण आयुक्त

प्रति:—

1. श्रीमा कंपनी का कार्यालय;
2. द्वावेदार;
3. मोटर यान दुर्घटना दावा प्रधिकारण;
4. दावा जाच प्रधिकारी;
5. भारतीय सांशोधन बीमा निगम, चैर्चेट बूँदे —400020

प्रकल्प 5

[बंड 20(1)]

(मोटर यान प्रधिनियम 1988 की द्वारा 162 के प्रधीन)

मेर/हम ————— मृतक क्षतिप्रस्तु ————— के विधिक प्रतिनिधि
(नाम) (नाम) की मृत्यु या धौर उपहृति की
(प्रतिनिधियों) के रूप में बचनबंध करता हूँ / करते हैं कि यदि मुझे/हमें (————— की मृत्यु या धौर उपहृति की
(नाम)) के लिए किसी दावे के बरते या उसकी तुष्टि के रूप में मोटर यान प्रधिनियम, 1988 या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के किन्हीं प्रन्य उपर्योगों
के प्रधीन या अन्यथा कोई अन्य प्रतिकर प्रधिनिर्णीत किया जाता है तो मैं / हम ————— दावा परिनिर्धारण
(नाम) के प्रधीन मुझे, हमें
आयुक्त द्वारा मंजूरी आदेश सं. ————— सारोक्त ————— के प्रधीन मुझे, हमें
प्रधिनिर्णीत प्रतिकर की रकम का प्रतिदाय बीमाकर्ता को करूँगा / करेंगे।

मृत / क्षतिप्रस्तु व्यक्ति के विधिक प्रतिनिधि
के हस्ताक्षर

S.O. 449(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 163 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following scheme for the payment of compensation to the victims of hit and run motor accidents, namely : -

1. Short title and commencement.—(1) This scheme may be called the Solatium Scheme, 1989.

(2) It shall come into force on the first day of July, 1989.

2. Definitions.—In the scheme, unless the context otherwise requires.—

- (a) "Act" means the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988);
- (b) "Claims Enquiry Officer" means the Sub-Divisional Officer, Tehsildar, or any other officer in charge of a revenue subdivision or a Taluka in each revenue district of a State or such other officer not below the rank of Sub-Divisional Officer or a Tehsildar, as may be specified by the State Government;
- (c) "Claims Settlement Commissioner" means the District Magistrate, the Deputy Commissioner, the Collector or any other Officer in-charge of a revenue district in a State appointed as such by a State Government;
- (d) "clause" means clause of this scheme;
- (e) "District level Committee" means a Committee set up under clause 11;
- (f) "Form" means a Form annexed to the Scheme;
- (g) "Standing Committee" means Committee set up under clause 3;
- (h) "Transport Commissioner" means an officer appointed as such by the State Government and includes the Director General of Transport, Director of Transport or the controller of Transport, appointed by the State Government.

3. Standing Committee :

(1) There shall be a standing Committee consisting of the following members, namely : -

- | | |
|--|---------------|
| (a) Joint Secretary (Transport) | —Chairman. |
| (b) Joint Secretary (Insurance) | —Member. |
| (c) General Manager, General Insurance Corporation | —Member. |
| (d) General Managers of each of Insurance Companies for the time being carrying on general insurance business in India | —Member. |
| (e) Transport Commissioners one each from three States, nominated by the Central Government by rotation. | —Member. |
| (f) Director/Deputy Secretary (Finance Division), Ministry of Surface Transport | —Member. |
| (g) An Officer of General Insurance Corporation, of the rank of Deputy General Manager (Accounts). | —Member Secy. |

(2) The persons nominated as member by virtue of an office shall cease to be member when he ceases to hold that office.

(3) The term of Office of the members nominated under sub-clause (3) of clause (1) shall be for a period of one year.

4. Remuneration of members of Standing Committee.—A member shall not be paid any remuneration, except travelling and daily allowance at the rates admissible to him and be paid from the source he draws salary.

5. Powers and functions of the Standing Committee.—The Standing Committee shall

- (i) Periodically review the working of the scheme and its implementation and direct corrective steps, wherever necessary;
- (ii) Considering the issues raised in the report of the District Level Committee and provide guidance or directions, wherever called for;
- (iii) framing regulations for conduct of business by Standing Committee and District Level Committee.

6. Meeting of the Standing Committee.—The Standing Committee shall meet at such time, date and at such a place as the Chairman may, from time to time, appoint in his behalf:

Provided that the Committee shall meet at least twice a year.

7. Quorum.—Not less than three members shall form a quorum:

Provided that if at any meeting there is no quorum, the Chairman may adjourn the meeting to a date not less than seven days later, informing the members present and sending notice to other members that he proposes to dispose of the business at the adjourned meeting, whether there is a quorum or not and he may thereupon dispose of the business at such adjourned meeting.

8. Decision by majority.—Every matter shall be determined by a majority of votes of the members present and voting and in case of equality of votes, the Chairman shall have a casting vote.

9. Notice of meetings.—(1) Notice shall be given by the member-Secretary to every member of the time, date and place fixed for each such meeting at least fifteen days before such meeting and each member shall be furnished with a list of business to be disposed of at the said meeting :

Provided that when a urgent meeting is called by the Chairman, such notice shall not be necessary. However, member Secretary shall send an intimation to each member.

(2) No business which is not on the list of business shall be considered at a meeting without the permission of the Chairman.

10. Minutes of the meeting.—The proceedings of each meeting of the Standing Committee shall be circulated to all members and thereafter recorded in a minutes book which shall be kept as permanent record. The record of the proceedings of each meeting shall be signed by the Chairman.

11. District Level Committee.—(1) There shall be a District Level Committee in each District consisting of the following members, namely :

- | | |
|--|--------------------|
| (a) Claims Settlement Commissioner | —Chairman |
| (b) Claims Enquiry Officer, nominated by the State Government | —Member |
| (c) The Regional Transport Officer or any other officer of Motor Vehicles Department as nominated by the State Government | —Member |
| (a) any member of the public or, a voluntary organisation connected with the road safety aspects nominated by the Chairman | —Member |
| (c) Divisional Manager of the Insurance Company | —Member-Secretary. |

(2) A person nominated as a member by virtue of an office shall cease to be a member when he ceases to hold that office.

(3) The term of officer nominated under sub-clause (b), (c) and (d) shall be one year.

12. Remuneration of Member of the District Committee. A member shall not be paid any remuneration except travelling and daily allowance at the rate admissible to him in his respective Department and be paid from the source he draws salary. A member nominated under clause (d) shall be paid travelling allowance/dearness allowance by General Insurance Corporation, at the rate as may be decided by the General Insurance Corporation.

13. Powers and functions of District Level Committee.—The District Level Committee shall undertake all functions connected with the implementation of the scheme at the District level. It shall also perform functions such as :

- (i) to evaluate the progress of implementation of the scheme in the concerned District and take corrective steps, wherever necessary;
- (ii) to submit a report on quarterly basis to the State Board Committee. This report shall inter alia include statistics monthwise, about the claim applications received, awarded, pending and reasons for pending;
- (iii) to keep close liaison with other authorities in the district so as to ensure that scheme gets adequate publicity;
- (iv) to provide guidance/clarifications to concerned authorities wherever called for.

14. Meeting of the District Level Committee.—The District Level Committee shall meet at such time, date and at such place, within the concerned District itself, as the Chairman may, from time to time, appoint in this behalf :

Provided that the Committee shall meet at least once in each quarter.

15. Quorum.—Not less than two members shall form a quorum.

16. Decision by majority.—Every matter shall be determined by a majority of vote of the member present and voting. In case of equality of votes Chairman shall have a casting vote.

17. Notice of meeting:—(1) Notice shall be given by the member Secretary to each member of the time, date and place fixed for the meeting at least seven days before such a meeting and each member shall be furnished with a list of business to be disposed of at the said meeting:

Provided that when an urgent meeting is called by the Chairman, such notice shall not be necessary. However, member-Secretary shall send an intimation to each member.

(2) No business which is not on the list of business shall be considered at a meeting without the permission of the Chairman.

18. Minutes of the meeting:—The proceedings of each meeting of the 'District Level Committee' shall be circulated to all members and thereafter recorded in a minute book which shall be kept as a permanent record. The record of the proceedings of each meeting shall be signed by Chairman.

19. Nomination of insurance company:—General Insurance Corporation shall nominate any of its office or an insurance company in each District for settlement of claims under section 161 of the Act and of this scheme.

20. Procedure for making the claim application:—(1) The applicant shall submit an application seeking compensation under this scheme in Form I along with duly filled in discharge receipt in Form II and the undertaking in Form V to the Claims Enquiry Officer of the Sub-Division or Taluka in which the accident takes place.

(2) An application under clause (1) shall be made within a period of six months from the date of the accident:

Provided that an application made after six months but not after 12 months from the date of the accident may be accepted by the Claims Enquiry Officer, if he is satisfied that there are reasonable grounds to condone the delay.

(3) Where the Claims Enquiry Officer does not accept the grounds advanced by the applicant, he shall record speaking orders and communicate to the applicant reasons for not accepting the claim application.

21. Procedure to be followed by the Claims Enquiry Officer:—(1) On receipt of claims application, the Claims Enquiry Officer shall immediately obtain a copy of the FIR, inquest report, post mortem report or certificate of injury, as the case may be, from the concerned authorities and hold enquiry in respect of claims arising out of hit and run motor accidents.

(2) It shall be the duty of the Claims Enquiry Officer—

- (a) to decide as to who are the rightful claimants, where there are more than one claimants;
- (b) to submit, as early as possible, and in any case within a period of one month from the date of receipt of application a report in Form-III alongwith duly discharged receipt in Form-II and the undertaking in Form V alongwith his own recommendation.

(3) Where the Claims Settlement Commissioner has returned any report to the claims Enquiry Officer for further enquiry under sub-clause (2) of clause 22, the Claims Enquiry Officer shall make such additional enquiries as may be necessary and resubmit the report to Claims Settlement Commissioner within 15 days for final order.

22. Sanctioning of Claims:—(1) On receipt of report of the Claims Enquiry Officer, the Claims Settlement Commissioner shall sanction the claim, as far as possible, within a period not exceeding Fifteen days from the date of receipt of such report and communicate the sanction order in Form IV alongwith duly discharged receipt in Form-II and the undertaking in Form V to the nominated office of the insurance company, with a copy to the following :—

- (a) the Claims Enquiry Officer
- (b) the claimant
- (c) the concerned motor Accident Claim Tribunal
- (d) the concerned Transport Commission
- (e) General Insurance Corporation headquarters.

(2) Where the Claims Settlement Commissioner has any doubt in respect of the report submitted by the Claims Enquiry Officer, he shall return the report to the Claims Enquiry Officer for further enquiry, indicating the specific points on which the enquiry is to be made.

23. Payment of compensation:—(1) In the case claims arising out of death, the payment shall be made to the legal representatives of the deceased, as decided by the Claim Enquiry Officer.

(2) In the case of claims arising out of grievous hurt, the payment shall be made to the person injured.

(3) The nominated office of the insurance company, immediately on receipt of the sanction order in Form IV together with discharge receipt in Form II and the undertaking in Form V shall make the payment to the claimant and despatch a cheque/demand draft to the claimant through registered post AD and simultaneously send intimation to all the concerned authorities to whom the copy of the sanction order is endorsed.

(4) The payment to the claimant by the insurance company shall be made within 15 days from the date of receipt of the sanction order together with discharge receipt and wherever delay occurs, reasons, therefore shall be explained to the Claims Settlement Commissioner.

(5) Registered letters containing cheques/demand draft, if returned undelivered from claimants shall be placed before the Claims Settlement Commissioner for further directions.

(6) The nominated office of the insurance company shall furnish monthly return giving number and the date of the sanction order, date of receipt of sanction order, payments made, sanction order pending for payment, to the Claims Settlement Commissioner with a copy to Claims Enquiry Officer and General Insurance Corporation Headquarters, Bombay.

24. Annual Report :—The General Insurance Corporation shall prepare and place an annual report on the working of the scheme before the Standing Committee, and also forward a copy to the Central Government.

[File No. RT-11014/3/89-TAG]

FORM I

[Clause 20(1)]

FORM OF APPLICATION FOR COMPENSATION FORM SOLATIUM FUND

I,.....son of/daughter of/widow of *Shriresiding at.....having been grievously injured in motor vehicle accident hereby apply for grant of compensation for the grievous injuries sustained. Necessary particulars in respect of the injury sustained by me are given below:—

I,.....son of/daughter of/widow of *Shri.....residing at.....hereby apply as a legal representative/agent for the grant of compensation on account of death/injuries sustained by Shri/Shrimati/Kumari,.....son of/widow of/daughter of Shri.....who died/had sustained injuries in a motor vehicle accident on.....at.....Particulars in respect of accident and other information are given below:—

1. Name and father's name of person injured (husband's name in case of married woman or widow).

2. Address of the person injured/dead:

3. Age.....Date of birth.....

4. Sex of the person injured/dead :

5. Place, date and time of the accident:

6. Occupation of the person injured/dead :

7. Nature of injuries sustained :

8. Name and address of Police Station in whose jurisdiction accident took place or was registered :

9. Name and address of the Medical Officer/Practitioner who attended on the injured/dead :

10. Name and address of the claimant/claimants:

11. Relationship with the deceased :

12. Any other information that may be considered necessary or helpful in the disposal of the claim:

I hereby swear and affirm that all the facts noted above are true to the best of my knowledge and belief.

SIGNATURE OF THE CLAIMANT

*Strike out which ver is not applicable

FORM-II

[Clause 20(i)]

ANNEXURE

SANCTION ORDER NO.
Dated:

Discharge Receipt

Received with thanks from Insurance Co. Ltd. sum of Rs..... being the compensation under hit and run provisions of the Motor Vehicle Act in full & final settlement of my claim for the accident occurred to me/to the deceased person.....
 (Name of deceased)
 on..... at.....
 (date of accident) (Name of place)

Signature on revenue stamp by Beneficiary/
Victim

WITNESS:

- 1.
- 2.

FORM III

[Clause 21(2)(b)]

CLAIMED ENQUIRY REPORT TO BE SUBMITTED BY THE CLAIMS ENQUIRY OFFICER TO THE CLAIMS SETTLEMENT COMMISSIONER.

1. Name and address of the person dead/injured :
2. Place, time and date of the accident :
3. Particulars of the Police Station in which the accident was registered :
4. Particulars of the medical officer/Practitioner who examined the dead/injured :
5. Particulars of persons summoned and examined :
6. Whether the fact of death/injury by hit and run motor accident has been established or not and the reasons for coming to that conclusion :
7. The name and address of claimant(s)/eligible for payment of compensation :
8. The amount of compensation recommended for payment to the claimant. (In case of more than one claimant the amount each one of the claimants is eligible and the reasons thereof shall be specified).
9. Any other information or records relevant or useful for the settlement of the claim.

Signature, designation of the Claims
Enquiry Officer.

Seal :

Date:

FORM IV
[Clause 22(1)]

Serial No.

Claims Settlement Commissioner
District.....**ORDER**

I hereby sanction Rs. 8500 (Rupees Eight Thousand Five Hundred only) as compensation in respect of the death of
2000 (Rupees Two Thousand only) as compensation in respect of the death of
..... grievous hurt to resulting from hit and run motor accidents which took place at
Name of deceased Name of injured Name of place
on to S/Shri/Shrimati/Kumari as the legal representative of the deceased(.....
dated) or to injured.
Name of injured

Claims Settlement Commissioner

CC to:—

1. Office of the Insurance Company
2. The Claimant
3. Motor Vehicles Accident Claims Tribunal
4. Claims Enquiry Officer
5. General Insurance Corporation of India, Churchgate, Bombay-400020.

FORM V

[Clause 20(1)]

(Under Section 162 of the Motor Vehicles Act, 1988)

I/We as legal representative(s) of the deceased/injured hereby give undertaking that I/We shall refund the amount of compensation awarded to me/us under sanction order No. dated by the Claims Settlement Commissioner to the insurer in case I/We/am/are awarded any other compensation or amount in lieu of or by way of satisfaction of a claim for compensation in respect of death or grievous hurt to under any other provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 or any other law for the time being in force or otherwise.

Signature of the legal representative of the deceased/
injured person.

का आ 441 (प्र):— केन्द्रीय सरकार, मोटर यात्रा अधिनियम, 1988 (1988 का 69) की धारा 185 के भीचे के स्पष्टीकरण के प्रत्युत्तरण में तथा भारत सरकार के लक्षणरामी और परिवहन भवालय की प्रधिसूचना से का आ 1929, तारीख 17 जून, 1978 को प्रधिकारित करते हुए, निम्नलिखित प्रौढ़ियों को, जिनके बारे में यह समझा जाएगा कि वे किसी व्यक्ति को मोटरगाड़ पर समुचित निर्यत रखने से अशक्त बना देते हैं, विनियिष्ट करती हैं, अर्थात्:—

1. केन्द्रीय तात्त्विक प्रणाली अवसादक :

- (क) ईनिवाज,
(ब) बोकीन।

2. नियाकारी शासक :

- (क) एसोसिएटीटीन,
(ख) फेनेबारबीटाल,
(ग) राफेबारबीटाल,
(घ) साइक्लोबारबीटीन
(ज) बारबीटोग,
(च) मैथाक्सोलीन,
(झ) क्लोरल हाइड्रेट

3. स्वापक वेदनाहर:

- (क) मार्कीन,
(ख) पैथीडीन

4. मम: प्रभावी श्रौतियाः

लिसेर्सी एसिड डाइ-एथिलोराइड (एल एम शी)

5. उद्दीपक :

- (क) एस्फेटोमिन,
(ख) मेथाइल फैनीडेट हाइड्रोक्सीराइड

6. प्रशांतक :

- (क) शायानेपाम,
(ख) क्लोरिडायरेपोक्साइड,
(ग) माइट्रोजपाम।

2. यह प्रधिसूचना 1 जूनाई, 1989 को प्रकृत होती।

[का सं धार दी -11014/3/89-ईजी]

S.O. 441(E):—In pursuance of the Explanation below Section 185 of the Motor Vehicles Act, 1988, (59 of 1988) in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. S. O. 1929, dated the 17th June, 1978, the Central Government hereby specifies the following drugs which shall be deemed to render a person incapable of exercising proper control over a motor vehicle, namely :—

1. Central Nervous System Depressant :

- (a) Cannabis, (b) Cocaine.

2. Hypnotics Sedatives :

- (a) Allobarbitone, (b) Phenobarbital,
- (c) Secobarbital, (d) Cyclobarbitone,
- (e) Barbitone, (f) Methaqualone,
- (g) Chloral Hydrate.

3. Narcotic Analgesics :

- (a) Morphine, (b) Pethidine.

4. Psycho-tropic drugs :

- Lysergic Acid Di-ethylamide (L.S.D.).

5. Stimulants :

- (a) Amphetamine, (b) Methyl Phenidate Hydrochloride.

6. Tranquillizers :

- (a) Diazepam, (b) Chlordiarepoxide,
- (c) Nitrazepam.

2. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[File No. RT-11014/3/89-TAG]

का. आ. 442(अ):— केन्द्रीय सरकार, मोटर यात्रा विभागियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 203 के स्पष्टीकरण द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, के जल भूतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 3796, तारीख 23 नवम्बर, 1977 को अधिकार करते हुए, निम्नलिखित प्रकार की मुक्तियों को (जिन्हें इसके पश्चात् एवास विश्लेषक कहा गया है) एवास परीक्षण के लिए, किसी व्यक्ति द्वारा दिए गए एवास के एक या अधिक नमूनों पर किए गए परीक्षण के माध्यम द्वारा, उस व्यक्ति के रक्त में एल्कोहॉल की उपस्थिति का लक्षण अधिशान करते के प्रयोगन के लिए, अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

(1) युक्ति I—एवास विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात् :—

- (क) एक उपदर्शक नलिका जिसमें ऐसी रामग्री होती जिसके रंग में उस समय परिवर्तन होगा जब वह नलिका में किसी एल्कोहॉल बायों के साथ व्यवहार करते पर एल्कोहॉल वायों के संपर्क में आती है;

परन्तु उपदर्शक नलिका का स्वरूप : जीवन एक वर्ष से कम का नहीं होगा जिसमें कि इस अवधि के लिए भंडारित एवास विश्लेषक के कृत्य किसी भी रूप में उससे भिन्न न हों जैसा कि ताजा निर्मित उपदर्शक नलिका का होता है;

(ख) अविश्वास एक्स्ट्रिक मामग्री की बनी मुखिका ;

- (ग) एक स्लीटर के आयनन का, जब उसे पूर्णतः स्फीत्य किया जाए, एक स्फीत्य थेना, जो पोलिथीथ का बना हो और जिसके मुख पर मुखिका संलग्न हो; या

(2) युक्ति II— एवास विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात् :—

- (क) एक उपदर्शक परीक्षण टाईप जिसमें ऐसी रामग्री होती जिसके रंग में उस समय परिवर्तन होगा जब वह नलिका में किसी एल्कोहॉल बस्तु, के साथ व्यवहार करते पर एल्कोहॉल वायों के संपर्क में आती है—

(ख) एक मुखिका ;

- (ग) एक घ्याता थेंग जिसमें रंग भीवा शोर कैमिटी है, या

(3) युक्ति III—एवास विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात् :—

- (क) उपदर्शक नलिका, जो दोनों मिरों पर क्षयजित होती तथा जिसमें गीला अधिकार्यक तृंगा जिसके रंग में उस समय परिवर्तन होगा जब नलिका में किसी एल्कोहॉल बस्तु, के एवासन पर एल्कोहॉल वायों के साथ संपर्क में आता है ;

परन्तु उपदर्शक नलिका का स्वरूप जीवन सीन वर्ष से कम महीने होगा जिसमें कि इस अवधि के लिए भंडारित एवास विश्लेषक के कृत्य किसी भी रूप में उससे भिन्न न हों जैसा कि ताजा निर्मित उपदर्शक नलिका का होता है ;

(ख) एक मुखिका ;

- (ग) स्फीत्य थेला, जिसके मुख पर मुखिका संलग्न है और जिसके अंत पहचान विस्तृत भार वेंग द्वारा की जाती है; या

(4) युक्ति — एवास विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात् :—

एक साक्षीय अंकीय यंत्र, जब उसको एल्कोहॉल अंतर्विष्ट करते वाली एवास के साथ अक्सरीहृत किया जाता है तो उस एल्कोहॉल सादान के रूप में विद्युत संकेत विमित और प्रदर्शित होता है।

2. यह अधिसूचना 1 जून 1989 को प्रवृत्त होती है।

[का. स. भार. दी. —11014 (3)/89/टी प. जी]

S.O. 442(E):—In exercise of the powers conferred by the Explanation of section 203 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. S.O. 3796, dated the 23rd November, 1977, the Central Government hereby approves the following types of devices (hereinafter referred to as the breathanalyser), for the purpose of obtaining an indication of the presence of alcohol in a person's blood by means of a test carried out, on one or more specimens of breath provided by that person, for the purpose of breath tests, namely :—

(1) Device I.—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

- (a) An indicator tube containing material which would undergo change of colour when in contact with alcohol vapours on breathing of an alcoholic subject into the tube ;

Provided that the shelf-life of the indicator tube shall not be less than one year, so that the performance of the breath analyser stored for this period shall in no way be different from that of a freshly made indicator tube;

- (b) a mouthpiece made of non-toxic plastic material;
- (c) an inflatable bag of volume of a 1 litre, when fully inflated, made of polythene and attached with the mouth-piece at the opening.

(2) Device-II—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

- An indicator test type containing material which would undergo change of colour when in contact with alcohol vapours on dealing with an alcoholic subject into the tube;
- a mouthpiece;
- a breath back with a colour neck and capacity,

(3) Device III—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

- An indicator tube fused at both ends and containing a yellow reagent which would undergo change of colour when in contact with alcohol vapours on breathing of an alcoholic subject into the tube:

Provided that the shelf-life of the indicator tube shall not be less than three years, so that the performance of the breath analyser stored for this period shall in no way be different from that of a freshly made indicator tube;

- a mouthpiece;
- an inflatable bag and attached with a mouthpiece at the opening and further indentified by a broad weight band, or

(4) Device IV—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

An evidential digital instrument when oxidated with the breath containing alcohol an electric signal which is amplified and displayed as blood alcohol concentration.

2. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[RJ-11014(3)89-TAG]

का. आ. 443(प्र):— केंद्रीय सरकार, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की घारा 213 की उप-घारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा यह विहित करती है कि मोटर वाहन निरीक्षक अथवा सहायक मोटर वाहन निरीक्षक (चाहे किसी नामों ये पुकारे जाएं) वर्ग के प्रविकारियों की श्रेणी के लिए व्यूतम अंहता नियमित होती :—

अंहता

- 10 सेंटीमीटर वाला न्यूनतम साधारण शैक्षिक अंहता; और
- आरोग्यार्थील इंजीनियरिंग (तीन वर्षीय पाठ्यक्रम) में डिप्लोमा

अथवा

गज्जर नियन्त्रिका निधा वंड द्वारा दिए गया यांत्रिक इंजीनियरी में (तीन वर्षीय पाठ्यक्रम) डिप्लोमा; और

3. निम्नों प्रक्षेत्रान आटोमोबाईक फार्माचियारी में, जिसमें हल्के मोटर यानों, भारी माल यानों और भारी यानों मोटर यानों, दोनों के, जिसमें पेट्रोल और डीजल इंजिन फिल्टर लिए गए हों। मग्नेशियन का काम लिया जाता है, कम से कम एक वर्ष का व्यापार करने का अनुभव; और

4. चालन अनुमति धारन करने वालिए जो उसे मोटर साईकिल, मारी माल यानों और भारी यानों मोटर यानों को चालने के लिए प्राधिकृत करता है।

2. इस अधिनियम में को कोई वात ऐसे पद पर एक जूलाई, 1989 से पश्चले नियूक्त किए गए अधिकारी और ऐसे शक्तियों पर जो संरक्षित क्रमांक के फ़लों के निवृहन के लिए नियूक्त किया गया है, लागू नहीं होता।

3. यह अधिनियम 1 जूलाई 1989 को प्रवल होती।

[आर. टी.—11014/3/89—टी. ए. जी.]

S.O. 443(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 213 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby prescribes that the minimum qualification for the class of officers consisting of the category of Inspector of motor vehicles or Assistant Inspector of motor vehicles (by what ever names called) shall be as under—

Qualification :

1. Minimum general educational qualification of a pass in X standard; and
2. a diploma in Automobile Engineering (3 year course)
Or
a diploma in Mechanical Engineering awarded by the State Board of Technical Education (3 year course); and
3. working experience of at least one year in a reputed automobile workshop which undertakes repairs of both light motor vehicles, heavy goods vehicles and heavy passenger motor vehicles fitted with petrol and diesel engine; and
4. must hold a driving licence authorising him to drive motor cycle, heavy goods vehicles and heavy passenger motor vehicles.

2. Nothing contained in the notification shall apply to a officer appointed to such post before the first day of July, 1989 and to an officer appointed to discharge function of a non-technical nature.

3. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[RT-11014/3/89-TAG.]

का. आ. 444(प्र):— केंद्रीय सरकार, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (1988 का 58) की घारा 41 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दी गई सारणी के संबंध (1) में विनियिष्ट राज्यों और संघ राज्य शेषों को उसके संबंध (2) की तस्थिती प्रविष्टि में विनियिष्ट अधिकारी समूहों का आवंटन प्रत्येक राज्य और राज्य शेष के ऐसे रजिस्ट्रीकरण चिन्हन के रूप में प्रयोग करते के लिए करती है जिसके पश्चात रजिस्ट्रीकरण प्राविकारी का वह कोह मंदिरांक आण्डा जो रजिस्ट्रीकरण चिन्हन के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए प्रयोग्यता, राज्य सरकार या संघ राज्य शेष के प्रधासक द्वारा आवंटित किया जाए और जो जार अंकों से अंकित का न हो।

सारणी

राज्य	संघ शासित शेष	प्रधासक—संघ राज्य
1		2
1. असम और निकोबार		एप्रिल
2. आंध्र प्रदेश		एप्रील
3. असमाजर प्रदेश		ए. आर.
4. असम		एप्रिल

1	2
5. विहार	बी भार.
6. चण्डीगढ़	मीएच
7. दादरा और नागर हैवेली	टीएन
8. दरजन और दीव	डीबी
9. दिल्ली	डीएस
10. झोपा	जीए
11. गुजरात	जीजे
12. हारियाणा	एच आर
13. हिमाचल प्रदेश	एचपी
14. जम्मू-कश्मीर	जेके
15. कर्नाटक	के ए
16. केरल	के एन
17. लक्ष्मीपुर	एलझी
18. मध्य प्रदेश	एमपी
19. महाराष्ट्र	एम एच
20. मणिपुर	एमएन
21. मेघालय	एम एल
22. मिजोरम	एम जेड
23. नागालैण्ड	एन एल
24. उडीसा	ओभार
25. पांडुचेरी	पीवी
26. पंजाब	पी बी
27. राजस्थान	आरजे
28. सिक्किम	एसके
29. तमिलनाडु	टीएन
30. त्रिपुरा	टीआर
31. उत्तर प्रदेश	यूपी
32. पश्चिमी बंगाल	উল্লেষী

2. जहाँ पैरा 1 में निर्दिष्ट 'चार अंक 9999 हो जाते हैं यहा अगला अंक "ए" वर्णकम से प्राप्त होगा और इसके पश्चात अधिक से अधिक चार अंक आएंगे और तत्पश्चात "बी" वर्णकम प्राप्त होगा जिसके पश्चात अधिक छे अधिक चार अंक आएंगे और इसी प्रकार आप सी होगा जब तक कि "आई" और "ओ" को छोड़ कर सभी वर्णकम समाप्त न हो जाएः :

परन्तु अक्षर अंग्रेजी में होते और अंक अरबी संख्यात्मक होते तथा अक्षर अंक परावर्ती रूपों में लिखे जाएंगे और उन्हें निम्न रूप वर्णया जाएगा—

(क) कैब्रिनिंग पर देने को स्कीम, 1989 के मध्यीन यानों से निम्न परिवर्तन यानों की दण में सफेद सनहर पर काले रंग में,

(ख) अस्थायी, रूप से रजिस्ट्रीक्यूटर मॉटर सूनों की दण में पीनी सनहर पर लाल रंग में,

(ग) अवतारियों के कब्जे में से मोटर यानों की दण में नान मतरह पर सफेद रंग में,

- (घ) अन्य दशायों में काली सनहर पर सफेद रंग में,
(इ) कैब्रिनिंग पर देने, सी स्कीम, 1989 के मध्यीन मॉटर यानों की दण में काली सनहर पर पीले रंग में
3. यह मध्यसूचना जुलाई, 1989 के नहले दिन को प्रवृत्त होगी।

[का. सं. आर. टी. 11014/3/89 टी. प. जी।
दी. आर. चब्दाण, संकुल मचिव]

S.O.444(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 41 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby allot to the States and Union territories specified in column (1) of the Table below, the groups of letters specified in the corresponding entry in column (2) therof, for use as registration mark for each State and Union territory to be followed by the code number of the Registering Authority to be allotted by the State Government or as the case may be the Administrator of the Union territory and not exceeding four figures, to be used as registration mark.

TABLE

States/Union Territories	Group of letters	1	2
1. Andaman and Nicobar	AN		
2. Andhra Pradesh	AP		
3. Arunachal Pradesh	AR		
4. Assam	AS		
5. Bihar	BR		
6. Chandigarh	CH		
7. Dadra and Nagar Haveli	DN		
8. Daman and Diu	DD		
9. Delhi	DL		
10. Goa	GA		
11. Gujarat	GJ		
12. Haryana	HR		
13. Himachal Pradesh	HP		
14. Jammu and Kashmir	JK		
15. Karnataka	KA		
16. Kerala	KL		
17. Lakshadweep	LD		
18. Madhya Pradesh	MP		
19. Maharashtra	MH		
20. Manipur	MN		
21. Meghalaya	ML		
22. Mizoram	MZ		
23. Nagaland	NL		
24. Orissa	OR		
25. Pondicherry	PY		

1	2
26. Punjab	PN
27. Rajasthan	RJ
28. Sikkim	SK
29. Tamil Nadu	TN
30. Tripura	TR
31. Uttar Pradesh	UP
32. West Bengal	WB

2. Where the four figures referred to in paragraph 1 reaches 9999, the next series shall begin with alphabet 'A' followed by not more than four figures and thereafter with alphabet 'B' followed by not more than four figures and so on until all the alphabets, excluding 'I' and 'O' are exhausted :

Provided that the letters shall be in English and the figures shall be in Arabic numerals and the letters and figures shall be painted in reflecting colours and shall be shown :

- (a) in the case of transport vehicles other than those under the Rent a Cab Scheme, 1989 in black on a white ground;
- (b) in the case of motor vehicles temporarily registered in red on a yellow ground;
- (c) in the case of motor vehicles in the possession of dealers in white on a red ground;
- (d) in other cases, in white on a black ground;
- (e) in the case of transport vehicle under the Rent a Cab Scheme, 1989, in yellow on a black ground.

3. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[File No.RT-11014/3/89-TAG]

B.R. CHAVAN, Jr. Secy.

